शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 54 | गुवाहाटी | शनिवार, 21 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सेकेंडरी एग्रीकल्चर से ही रूक सकता है किसानों का पलायन : द्रौपदी मुर्मु पेज 2
प्रमोद बोड़ो ने वाइब्रेंट बीटीआर मिशन का किया शुभारंभ पेज 3
पंजाब सरकार ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वालों के 30 आश्रितों को दीं नौकरियां पेज 5
हरयाणवी हंटर्स का विजय अभियान जारी, पंजाब की धमाकेदार जीत पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ऋण, शत्रु और रोग को समाप्त कर देना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

प्रसाद विवाद पर भड़का संत समाज, उच्चस्तरीय जांच की मांग की

हरिद्वार (हि.स.)। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी की मिलावट का मामला गरमा गया है। प्रसाद विवाद पर हरिद्वार के संत आक्रोशित हैं। धर्मनगरी हरिद्वार के साधु संतों ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष तथा महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रविंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

अस्पतालों का बकाया जल्द चुकाएं मान : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। पंजाब में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना के तहत विभिन्न उपचारों के लिए कई अस्पतालों में 600 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। इसके कारण निजी अस्पतालों ने इस कार्यक्रम के तहत लोगों का इलाज करना बंद कर दिया है। इसका संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को नसीहत देते -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में लू जैसे हालात, असम अरुणाचल में 38 डिग्री सेल्सियस तापमान

गुवाहाटी। भारत दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की तैयारी कर रहा है और अक्तूबर की गर्मी के लिए तैयार है, असम और कई पूर्वोत्तर राज्यों में पहले से ही तापमान में असामान्य वृद्धि देखी जा रही है, जो कि बारिश की कमी के कारण और भी बढ़ गई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चिंताजनक वृद्धि की सूचना दी है, पिछले चार दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया है। मौजूदा गर्मी के कारण तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जो गुरुवार को 38 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मेघालय के सोहरा में सामान्य से 8.1 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया, जबकि सिलचर में सबसे अधिक 38.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, उसके बाद पासीघाट और गुवाहाटी का स्थान रहा, दोनों में 38 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। डिब्रूगढ़, तेजपुर, जोरहाट, उत्तरी लखीमपुर और अगरतला जैसे शहरों में भी 37 से लेकर लगभग 38 डिग्री सेल्सियस तक का उच्च तापमान दर्ज किया गया है। राज्य की राजधानियां भी इसी तरह प्रभावित हैं, मणिपुर के इंफाल में 33.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया - सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस अधिक - और अगरतला में 37.6 डिग्री सेल्सियस - सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया। आगे की बात करें तो आईएमडी ने 20 और 21 सितंबर को उप-हिमालयी -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में स्कूलों का समय आगे बढ़ाया गया

गुवाहाटी। बढ़ते तापमान के मद्देनजर कामरूप मेट्रो सहित असम के कुछ जिलों में स्कूलों का समय आगे बढ़ा दिया गया है। कामरूप मेट्रो जिले में जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को एक परिपत्र जारी कर सभी स्कूलों को गर्मी के प्रभाव को कम करने के उपाय लागू करने का निर्देश दिया। 21 सितंबर, 2024 से स्कूलों को अपने दैनिक कार्यक्रम को समायोजित करना होगा, कक्षाएं सुबह 7:30 बजे शुरू होंगी और दोपहर 12:30 बजे से पहले या उसके बाद समाप्त होंगी। इस समायोजन का उद्देश्य दिन के चरम घंटों के दौरान छात्रों को अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से बचाना है। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे सुबह की सभाएं घर के अंदर ही आयोजित करें, पर्याप्त पेयजल सुविधाएं उपलब्ध कराएं तथा विद्यार्थियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए उन्हें आरामदायक कपड़े पहनने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके अतिरिक्त, सभी स्कूलों को कार्यशील पंखे बनाए रखने होंगे तथा कक्षाओं में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करना होगा, तथा संभावित कटौती के लिए वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

लंबित मामलों को कम करने के लिए छोटे न्यायिक मामलों को वापस लेगी सरकार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 20 सितंबर को राज्य की न्यायिक प्रणाली में लंबित मामलों की चिंताजनक स्थिति को दूर करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण नीतिगत पहल की घोषणा की। असम में वर्तमान में 4.5 लाख से अधिक और पूरे देश में 3 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबित मामलों की संख्या न्याय प्रदान करने में एक बड़ी बाधा है। इस बोझ को कम करने के लिए असम सरकार ने कई छोटे-मोटे मामलों को वापस लेने का फैसला किया है, जिससे न्यायिक संसाधन अधिक गंभीर मामलों के लिए मुक्त हो जाएंगे। शर्मा ने कहा कि लंबित मामले हमारी न्यायिक प्रणाली की एक बड़ी खामी हैं। नई नीति के तहत, वापसी के लिए पात्र मामलों -शेष पृष्ठ दो पर

खाई में गिरी बस, तीन जवान बलिदान, दो दर्जन से अधिक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। बीएसएफ जवानों को लेकर जा रही बस खाई में गिर गई। हादसे में तीन जवान बलिदान हो गए। वहीं दो दर्जन से अधिक जवान घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर स्थानीय लोग पहुंच गए हैं। ब्रेल वॉटरहेल इलाके में बस खाई में गिर गई। अधिकारी के मुताबिक, बस में बीएसएफ के 36 जवान भरे थे। सड़क से फिसलने के बाद बस खाई में गिर गई। -शेष पृष्ठ दो पर

घर जा रही लड़की का अपहरण कर बलात्कार किया : पुलिस

गुवाहाटी। मध्य असम के नगांव जिले के धींग क्षेत्र में गुरुवार को घर जा रही 17 वर्षीय एक लड़की का अपहरण कर दो लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। अगस्त में 14 वर्षीय एक लड़की के साथ बलात्कार के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद इस क्षेत्र में यह दूसरा मामला सामने आया है। नगांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्नील डेका ने शुक्रवार को बताया कि लड़की अपनी दादी को नदी किनारे छोड़कर अपने छोटे भाई के साथ घर लौट रही थी, तभी दो आरोपी, जो पीड़िता को जानते थे और उसी गांव के थे, ने उन पर हमला किया और उसे जबरन मोटरसाइकिल पर ले गए। कथित तौर पर -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड-बंगाल सीमा सील करने पर भड़के सीएम शर्मा, कहा-

दीदी जनता पर अपना गुस्सा निकाल रही हैं

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर झारखंड की जनता को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी राज्य की सीमा सील कर झारखंड की जनता को सबक सिखा रही हैं। और झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री मौन हैं, क्योंकि उनके लिए राजनीति ज्यादा महत्वपूर्ण है। सीएम शर्मा ने कहा कि ममता सरकार की विफलता की वजह से बंगाल के लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। लेकिन ममता दीदी अपनी नाराजगी अपने अफसरों पर नहीं, बल्कि झारखंड की जनता पर निकाल रही हैं। वह राज्य की सीमा सील कर झारखंड की जनता को सबक सिखा रही हैं और प्रदेश की सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक

नई दिल्ली। भारत के सुप्रीम कोर्ट का आधिकारिक यूट्यूब चैनल शुक्रवार को हैक हो गया। हैकर्स ने चैनल पर एक क्रिप्टोकरेंसी *एक्सआरपी* का वीडियो अपलोड कर दिया। एक्सआरपी, यूएस की कंपनी *रिपल लैब्स* द्वारा डेवलप की गई क्रिप्टोकरेंसी है। सुप्रीम कोर्ट इस यूट्यूब चैनल का इस्तेमाल संविधानिक मामलों और जनहित याचिकाओं की सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग के लिए करता है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट के चैनल पर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक -शेष पृष्ठ दो पर

अर्बन नक्सली चला रहे हैं कांग्रेस एकजुट होकर जवाब दे जनता : पीएम

वर्धा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को महाराष्ट्र के वर्धा में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मौजूदा कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के जमाने की नहीं रही। आज के समय की कांग्रेस नफरत से भरी हुई पार्टी है। टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली कांग्रेस को चला रहे है। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि जनता को एकजुट होकर इसका जवाब देना चाहिए। जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आज आप जिस कांग्रेस को देखते हैं, यह वह पार्टी नहीं है, जिसके साथ महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्ति जुड़े थे। मौजूदा कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा अंतिम सांस ले चुकी है। मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना विदेश में दिए भाषणों के *भारत विरोधी एजेंडे* पर बात की। वर्धा के राष्ट्रीय *पीएम विश्वकर्मा* कार्यक्रम में योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र और ऋण दिए गए। पीएम विश्वकर्मा के तहत प्रगति के -शेष पृष्ठ दो पर

ध्रुवी पटेल के सिर सजा मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 का ताज

नई दिल्ली। अमेरिका की कंप्यूटर इनफार्मेशन सिस्टम की छात्रा ध्रुवी पटेल ने *मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024* का खिलाब अपने नाम कर लिया है। इस प्रतियोगिता को जीतने के बाद ध्रुवी बेहद खुश है। उसने बॉलीवुड एक्ट्रेस और यूनिसेफ की राजदूत बनने की इच्छा जाहिर की है। ध्रुवी ने यह उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा कि मिस इंडिया वर्ल्डवाइड जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। यह एक ताज से कहीं बढ़कर है। यह मेरी विरासत, मेरे मूल्यों और वैश्विक स्तर पर दूसरों को प्रेरित करने के अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। -शेष पृष्ठ दो पर

एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर झारखंड से बाहर निकालेंगे : अमित शाह

साहिबगंज (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साहिबगंज के भोगनाडी से चुनाव झारखंड विधानसभा शंखानाद किया। शाह शुक्रवार को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में भाजपा के परिवर्तन रथ को हरी झंडी दिखाने के बाद साहिबगंज पहुंचे। यहां पुलिस लाइन मैदान में विशाल परिवर्तन सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार से कई तीखे सवाल पूछे और लोगों से अपील की कि वे आगामी चुनाव में भाजपा की सरकार बनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि झारखंड से एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिये के चुन-चुनकर निकालेंगे। उन्होंने कहा कि यह काम सिर्फ भाजपा की सरकार कर सकती है। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संथाल की भूमि पर आना मेरा सौभाग्य है। मां गंगा की -शेष पृष्ठ दो पर

एमपी से सामने आया अनोखा मामला

मां के पेट में बच्चा, बच्चे के पेट में बच्चा, डॉक्टर भी हैरान

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जब डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि उस बच्चे के अंदर भी एक नवजात पल रहा है। हालांकि, इसकी जानकारी डॉक्टरों को पहले ही हो गई थी। जब उन्होंने गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया था। मेडिकल की भाषा में इस कंडीशन को फीटस इन फीटू कहा जाता है। रेयर मामला होने की वजह से नवजात को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया गया है। शिशु का जीवन बचाने का एकमात्र उपाय सर्जरी है। जिस पर चिकित्सकों में विचार विमर्श चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार लाखों महिलाओं में से किसी एक में ऐसा केस देखने को मिलता है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक डॉ. पीपी सिंह ने बताया कि करीब 15 दिन पहले केसली निवासी गर्भवती महिला 9वें माह में उनके निजी क्लिनिक पर जांच के लिए आई थी। जांच के दौरान महिला के गर्भ में पल रहे नवजात के अंदर भी एक बच्चा की मौजूदगी का संदेह हुआ था। इस पर महिला को फॉलोअप के लिए मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए बुलाया गया। यहां विशेष जांच में पाया गया कि महिला के गर्भ के अंदर एक और बेबी या टेरिटोमा की मौजूदगी है। महिला को मेडिकल कॉलेज में ही प्रसव कराने की सलाह दी गई थी। चूंकि उसे आशा कार्यकर्ता लेकर आई थी, इसलिए वह वापस केसली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। यहां महिला का सामान्य प्रसव हुआ। डॉ. पीपी सिंह के अनुसार उन्होंने अपने जीवन में यह पहला केस देखा है। चिकित्सा इतिहास में इस तरह के केस काफी दुर्लभ हैं। 5 लाख मामलों में इस तरह का 1 केस सामने आता है। हालांकि अब तक दुनिया में इस -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते
असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243
टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767
नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295
एस.पी (I) ▶ 6026903418
एस.पी (IV) ▶ 6026903483
एस.पी (LAW) ▶ 6026903481
ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com
ट्विटर ▶ @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
--Janasanyog/D/6171/24/21-Sep-24

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सेकेंडरी एग्रीकल्चर से ही रूक सकता है किसानों का पलायन : द्रौपदी मुर्मू

रांची (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि झारखंड के प्रति मेरा विशेष लगाव है। धरती आबा बिरसा मुंडा की धरती पर आना मेरे लिए तीर्थ यात्रा के समान है। यहां के लोगों से बहुत स्नेह मिला है। राज्यपाल के तौर पर मैंने यहां कई वर्षों तक काम किया है। वे शुक्रवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित शताब्दी समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने भाषण की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के जयकारे के साथ किया। उन्होंने कहा कि झारखंड से उनका विशेष लगाव है। 2017 में इस संस्थान के साथ मिलकर कृषि मेले का उद्घाटन किया था। संस्थान ने लाख, रेजिन जैसे कई उत्पादों में विशेष योगदान दिया। लाख के उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित करने का मौका मिला। उस समय मुझे बताया गया कि किसान कैसे लाह द्वारा कैसे लाभान्वित होते थे। आज इस संस्थान के शताब्दी वर्ष पूरे होने पर मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। मुर्मू ने कहा कि आज का दौर आधुनिक तकनीक का है। इसका इस्तेमाल करना है मगर इसके दुष्प्रभाव से बचना है। अभी भी अनेक क्षेत्र हैं जहां हम और आगे जा सकते हैं। लाह के उत्पादन, सप्लाई चैन और मार्केटिंग में सुधार किया जाए तो हम लाह की खेती में और आगे बढ़ सकते हैं। गांवों में कृषि आधारित भंडारण नीति बनायी जा रही है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी हमारी कृषि एवं उत्पाद कैसे आगे बढ़े, इसके लिए काम करने जरूरत है। मगर आज भी हमारे किसानों गरीबी में जीने को विवश हैं। इस दिशा में काम करने की जरूरत है। सेकेंडरी कृषि इसका विकल्प हो सकता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वे गांव में नहीं छोड़ेंगे। सेंकेंडरी कृषि उत्पाद हम बेहतर दिशा में बढ़ सकते हैं। वेस्टेज वस्तुओं को हम रीसाइकलिंग करके उपयोगी एवं मूल्यवान वस्तुएं बनाए जा सकते हैं। एक बदाम के छिलके से कैसे वे लाभान्वित हो सकते हैं। यह संस्थान लाह के साथ गम के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस संस्थान का लाभ अन्य संस्थानों को मिलना चाहिए। यह संस्थान प्रशिक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लाह का उत्पादन मुख्य रूप से जनजातीय समुदाय के द्वारा किया जाता है। इस संस्थान में लाह के साथ–साथ कई लाह से जुड़े कई उत्पाद किए जा रहे हैं। यह भी गर्व की बात है कि झारखंड में इसका उत्पादन देश में 55 प्रतिशत है। कौशल विकास के लिए भी प्रशिक्षण आयोजन किया जाता है। एसएजी समूह की बहने बहुत मेहनती हैं, जो कृषि के साथ अन्य उत्पाद से जुडे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जानकारी मिली कि जो रॉ लाह होता है वह 100–200 में भेजा जाता था लेकिन बाद में जब विदेश भेजा जाता था तो उसकी कीमत 3000–4000 होता था। मैं जब दौरा करती थी राज्य के अलग–अलग जिला में तो मैं पलामू गई थी।

योजना लागू नहीं होने पर एससी चिंतित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट गवाह संरक्षण योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की कमी पर चिंता व्यक्त की है। साल 2018 की इस योजना पर शीर्ष अदालत में दो जजों की बेंच ने टिप्पणी की। अदालत ने रेखांकित किया कि भारत में गवाहों की स्थिति बहुत दयनीय है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने कहा कि गवाह अदालत को सही निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अदालत ने आपराधिक मुकदमों में गवाह के संरक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि गवाह संरक्षण योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की कमी चिंताजनक है। शीर्ष अदालत ने अंग्रेजी दार्शनिक और न्यायविद जेरेमी बेंथम को भी उद्धृत किया। कोर्ट ने कहा कि गवाह न्याय की आंखें और कान होते हैं। शीर्ष अदालत की खंडपीठ ने कहा, भारतीय न्याय व्यवस्था में गवाहों की स्थिति बहुत दयनीय होना चिंताजनक है। सत्ता में बैठे लोगों, उनके गुर्गों और किराए के लोगों के इशारे पर गवाहों को धमकाया जाता है। बल प्रयोग करके मजबूर किया जाता है। पैसे का लालच भी दिया जाता है, ताकि सच्चाई को दबाया जा सके और न्याय का मखौल उड़ाया जा सके।

नेपाल में कभी भी बंद हो सकता है इंटरनेट एयरटेल और टाटा का 7000 करोड़ रुपए बकाया

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में इंटरनेट सेवा देने वाली भारत की एयरटेल और टाटा टेलीकम्युनिकेशंस को पिछले डेढ़ साल से भुगतान नहीं मिला है। इसलिए अब तक कुल बकाया राशि 7000 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। अब इन कंपनियों ने कभी भी इंटरनेट कनेक्शन बंद करने की चेतावनी दी है। नेपाल में इस बकाया राशि को लेकर सरकार और इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एक ओर जहां ये कंपनियां नेपाल सरकार पर नेपाली रुपए को अमेरिकी डॉलर में बदलने की सुविधा बंद करने का आरोप लगा रही हैं, वहीं सरकारी पक्ष का कहना है कि निजी कंपनियां अपने फायदे के लिए जरूरत से ज्यादा एक्सचेंज सुविधा की मांग कर रही हैं। आईएसपी कंपनी की ओर से अपना पक्ष रखते हुए नेपाल की सबसे बड़ी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी वर्ल्ड लिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर पराजुली ने कहा कि सरकार की तरफ अब तक एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी गई है। अगर देश में इंटरनेट का कनेक्शन काटा जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। नेपाल के इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन के अध्यक्ष समेत रहे पराजुली ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से लगातार ही सरकार को पत्र लिख कर एक्सचेंज की सुविधा देने का आग्रह किया जा रहा है। सरकारी पक्ष का तर्क है कि इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए कुछ नियम कानून बनाए गए हैं। सरकार की तरफ से कुछ शर्तें भी रखी गई है। सूचना एवं संचार मंत्रालय की प्रवक्ता ममता बस्तोला ने कहा कि जब तक इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के तरफ से सरकार की शर्तों का पालन नहीं किया जाता है, तब तक उन्हें सुविधा नहीं मिलने वाली है।

मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त कर देगी : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त कर देगी। शाह ने वामपंथी उग्रवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और कहा कि अन्यथा उनके खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर छत्तीसगढ़ के नक्सली हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। इनमें बस्तर शांति समिति के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के नक्सली हिंसा से प्रभावित 55 लोग शामिल थे। बस्तर शांति समिति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से पीड़ित लोगों की व्यथा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेन्टरी भी दिखाई। नक्सली हिंसा से पीड़ित कुछ लोगों ने गृह मंत्री को अपनी व्यथा भी बताई। नक्सली हिंसा से पीड़ित लोगों से संवाद के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की हिंसा के शिकार ये लोग अपने मानव अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। इनकी पीड़ा देख मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने कहा कि मानवता के दुश्मन नक्सलवाद ने कैसे इन लोगों के जीवन को उजाड़ दिया। इनका यह दु:ख ह्यूमन राइट्स का एक तरफा शोर मचाने वाले लोगों के दोगलेपन को भी दर्शाता है। गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलियों के मानवाधिकार का पक्ष लेने वालों को इससे पीड़ित होने वालों का मानवाधिकार देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के हाथों मारे गए उग्रवादियों के ह्यूमन राइट्स की बात करने वाले लोगों को बिना आंख, बिना हाथ, बिना पैर के जीवन जीने के लिए मजबूर इन लोगों के ह्यूमन राइट्स नजर नहीं आते। उन्होंने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि वे कानून के सामने आत्मसमर्पण करें और अपने हथियार छोड़ दें। पूर्वोत्तर और कश्मीर में कई जगहों पर कई लोगों ने अपने हथियार छोड़ दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आपका भी स्वागत है लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इसके खिलाफ अभियान शुरू करेंगे और इसमें सफलता भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार, मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण, वामपंथी उग्रवाद अब छत्तीसगढ़ में बस्तर के कुछ ज़िलों तक सीमित होकर रह गया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद, मानवता और देश की आंतरिक सुरक्षा, दोनों के लिए खतरा है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार वामपंथी उग्रवाद से पीड़ित लोगों के समग्र विकास के लिए अगले तीन महीनों में योजना लाएंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को चिकित्सा, रोजगार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ मिल सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं के माध्यम से मोदी सरकार ने नक्सलियों को संदेश दिया है कि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है।

हिजबुल्ला का बदला इजरायल पर दागे 140 रॉकेट

यरूशलेम। इजरायली सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को उत्तरी इजरायल पर 140 रॉकेट दागे। यह हमला हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह द्वारा इजरायल पर बड़े पैमाने पर बमबारी करने का बदला लेने की कसम खाने के एक दिन बाद हुआ। इजरायली सेना ने कहा कि शुक्रवार दोपहर को तीन बार रॉकेट दागे गए और लेबनान के साथ तबाह हो चुकी सीमा पर स्थित स्थलों को निशाना बनाया गया। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने कत्युशा सीमा पर स्थित कई स्थलों को रॉकेट से निशाना बनाया, जिसमें कई हवाई रक्षा ठिकाने और इजराइली बख्तरबंद ब्रिगेड का मुख्यालय शामिल है, जिस पर उसने पहली बार हमला किया है। हिजबुल्लाह ने कहा कि रॉकेट दक्षिणी लेबनान में गांवों और घरों पर इजरायली हमलों के प्रतिशोध में दागे गए। इससे पहले गुरुवार को हिजबुल्ला नेता ने एक धमकी भरा वीडियो जारी करते हुए कहा था कि इजरायली हमलों में उसके रेडियो और पेजर उड़ा दिए गए, जिससे सभी लाल रेखाएं पार हो गईं।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
Apollo HOSPITALS
PLASTIC & COSMETIC SURGEON
Dr K Leela Praveen Kumar, MS(Gen Surgery), M.Ch (Plastic Surgery), PGDHHM
only for consultation at Guwahati
on 29th September'2024
Patients requiring surgery for breast reduction, nose deformities, birth defects, hand surgery, burn injury, cleft lip & facial correction, scar correction and similar problems.
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

पृष्ठ एक का शेष

पूर्वोत्तर में लू जैसे ...

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना जताई है, जबकि 20 से 22 सितंबर तक अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम गर्म और आर्द्र रहने की संभावना है। सौभाग्य से, अगले सप्ताह फिर से वर्षा होने की उम्मीद है, तथा 22 से 26 सितम्बर तक नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 23 से 26 सितम्बर तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में; तथा 26 सितम्बर को उप–हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में वर्षा होने का पूर्वानुमान है। अब तक अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर पूरे क्षेत्र में कुल मिलाकर *सामान्य* मानसून रहा है। हालांकि, अरुणाचल प्रदेश में काफी कमी दर्ज की गई है, यहां 28 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, 1 जून से 20 सितंबर तक केवल 1,125.9 मिमी बारिश हुई है।

राज्य में स्कूलों ...

असम में पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी जैसे हालात हैं। गुरुवार को गुवाहाटी में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेंटिग्रेड दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के सामान्य तापमान से 5.6 डिग्री सेंटिग्रेड अधिक है। उधर चल रही भीषण गर्मी के बीच, असम के कछार जिले में छात्रों को अत्यधिक गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से नए दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने 21 सितंबर, 2024 से प्रभावी दिशा–निर्देश जारी करते हुए जिले के सभी निजी, राज्य और केंद्र सरकार के स्कूलों को बढ़ते तापमान से छात्रों की सुरक्षा के लिए विशिष्ट एहतियाती उपाय लागू करने का निर्देश दिया है। संशोधित स्कूल समय अब सुबह 7:30 बजे से शुरू होगा और दोपहर 12:30 बजे तक समाप्त होगा ताकि दिन के सबसे गर्म समय में जोखिम से बचा जा सके। इसके अलावा, सभी सुबह की सभाएं कक्षाओं के अंदर ही आयोजित की जानी चाहिए ताकि लंबे समय तक बाहर रहने से बचा जा सके। स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्रों को पूरे दिन पीने का पर्याप्त पानी मिले और सभी पीने के पानी की सुविधाएं चालू रहें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस दौरान कमरकोट और टाई न पहनें ताकि गर्मी कम से कम रहे। संस्थानों को यह भी जांचना होगा कि सभी पंखे चालू हैं और कक्षाओं में अच्छी तरह से हवादार है। बिजली कटौती की स्थिति में, स्कूलों को वैकल्पिक बिजली बैकअप सिस्टम की व्यवस्था करना अनिवार्य है। मौजूदा भीषण गर्मी के बीच छात्रों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए ये निवारक उपाय किए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय ने जोर देकर कहा कि इन दिशा–निर्देशों का अगले आदेश तक पालन किया जाना चाहिए। किसी भी अतिरिक्त पूछताछ या स्पष्टीकरण के लिए स्कूल प्राधिकारियों को जिला प्रशासन से संपर्क करने का निर्देश दिया गया है।

लंबित मामलों को...

में छोटे अपराध शामिल हैं, जबकि छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम के तहत अपराध, भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से जुड़े मामलों जैसे गंभीर अपराधों को बाहर रखा गया है। उल्लेखनीय रूप से, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विधान सभा सदस्यों (एमएलए) और संसद सदस्यों (एमपी) से जुड़े मामलों से संबंधित अपराध भी बाहर रखे गए हैं। इस पहल के तहत कठोर केस फिल्टरिंग प्रक्रिया लागू की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सबसे ज्यादा जरूरी मामलों पर जरूरी ध्यान दिया जाए। शर्मा ने कहा कि छोटे और मामूली मामलों को वापस लेकर, असम न्यायिक लंबित मामलों को कम करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठा रहा है।

खाई में गिरी...

अधिकारी ने बताया कि हादसे में बीएसएफ के तीन जवान बलिदान हो गए। जबकि दो दर्जन से अधिक जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। मौके पर पुलिस पहुंच गई है। मामले की जांच में जुट गई है।

घर जा रही ...

दोनों लोगों ने कुछ ही दूरी पर लड़की के साथ बारी–बारी से बलात्कार किया। बलात्कार के बाद वे उसे वहीं छोड़कर चले गए। बाद में लड़की घर पहुंची और अपने माता–पिता को आपबीती सुनाई। डेका ने कहा कि पीड़िता और उसकी मां, जो सैंडबार की निवासी हैं, ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। लड़की को नगांव मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए भेजा गया, जहां से उसे महिला आश्रय गृह भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों इशरफिल हुसैन और फुजैल अहमद का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 22 अगस्त को ट्यूशन क्लास से घर लौट रही 14 वर्षीय लड़की को तीन लोगों ने अगवा कर उसके साथ बलात्कार किया था, जिसके बाद यह दूसरा मामला है। बाद में पीड़िता को गंभीर चोटों के साथ अर्धचेतन अवस्था में पाया गया था।

दीदी जनता पर...

मौन है। बंगाल के डिबूडीह चेकपोस्ट पर झारखंड की ओर से भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा है। झारखंड में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए हिमंत विश्व शर्मा भाजपा के सह–प्रभारी है। वह भाजपा की *परिवर्तन रैली* में भाग लेने के लिए झारखंड में आए हुए हैं, जिसकी शुरुआत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहिबगंज में करेंगे। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में ममता बनर्जी सरकार पर झारखंड की ओर से जाने वाली गाड़ियों को रोक कर जनता को अपमान करने की बात की है। उन्होंने कहा कि यह विषय किसी राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है, यह झारखंड की जनता के सम्मान की बात है, लेकिन जेएमएम ने चुप्पी इसलिए साधी है क्योंकि उनके लिए राजनीति का कर्तव्य राज्य के कर्तव्य से बड़ा है। झारखंड की जनता को सोचना चाहिए कि जो पार्टी अपने राज्य की गरिमा की रक्षा नहीं कर पा रही है, क्या ऐसी पार्टी को आपको फिर से मौका देना चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ सभी संबंध तोड़ देगा। क्योंकि उसने एकतरफा पानी छोड़ा जिसके कारण दक्षिण बंगाल के जिलों में बाढ़ आई है। उन्होंने दावा किया कि डीवीसी के स्वामित्व और रखरखाव वाले मैथन और पंचेत बांधों की संयुक्त प्रणाली से अनियोजित और एकतरफा तरीके से भारी मात्रा में पानी छोड़ने के कारण व्यापक तबाही हुई है। इस बीच अंतर्राज्यीय राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–2) पर ट्रकों की आवाजाही गुरुवार शाम से पूरी तरह ठप हो गई है। क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने झारखंड–बंगाल सीमा पर डिबूडीह चेकपोस्ट पर झारखंड की ओरसे भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। धनबाद की उप आयुक्त माधवी मिश्रा के अनुसार बंगाल पुलिस ने चेक पोस्ट पर वाहनों को रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का...

महिला प्रशिक्षु डॉक्टर के रेप और मर्डर केस की सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग की गई थी। हैकर्स ने सुप्रीम कोर्ट के यूट्यूब चैनल पर पहले से मौजूद सुनवाई के वीडियो को प्राइवेट कर दिया और एक नया वीडियो लाइव कर दिया, जिसका शीर्षक था: *ब्रैड गारलिंगहाउस: रिपल ने एसईसी के 2 बिलियन जुर्माने का जवाब दिया! एक्सआरपी प्राइस प्रीडिक्शन।* सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि चैनल के साथ क्या हुआ, लेकिन ऐसा लगता है कि हैकिंग के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह इस समस्या का पता चला और इसे ठीक करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की आईटी टीम ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) से मदद मांगी है। हाल के समय में हैकर्स बड़े यूट्यूब चैनलों को निशाना बना रहे हैं। यहां तक कि रिपल कंपनी ने भी अपने सीईओ ब्रैड गारलिंगहाउस के फर्जी अकाउंट को लेकर यूट्यूब पर मुकदमा दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में फैसला लिया था कि संविधान पीठों की सुनवाई को यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। पहली बार 27 सितंबर 2022 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना के रिटायरमेंट वाले दिन सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की गई थी, जिसमें 5 मामलों पर फैसला सुनाया गया था।

अर्बन नक्सली चला ...

एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया गया। इसके अलावा पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के अमरावती में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क की आधारशिला रखी। 1000 एकड़ में फैले इस पार्क का विकास महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कर रहा है। भारत सरकार ने वस्त्र उद्योग के लिए 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी थी। पीएम मित्र पार्क भारत को वस्त्र विनिर्माण और निर्यात के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह विश्व स्तरीय औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में मदद करेगा, जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सहित बड़े पैमाने पर निवेश को आकर्षित करेगा और इस क्षेत्र में नवाचार और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगा। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र सरकार की आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र योजना का भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत 15 से 45 वर्ष की उम्र के लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राज्य भर के प्रसिद्ध कॉलेजों में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। राज्य भर में लगभग 1,50,000 लोगों को हर साल कौशल विकास प्रशिक्षण मुफ्त मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने *पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर महिला स्टार्टअप योजना* का भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत महाराष्ट्र में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को शुरुआती चरण में सहायता दी जाएगी। योजना के तहत 25 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत कुल प्रावधानों का 25 प्रतिशत पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। इससे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बनने में मदद मिलेगी।

ध्रुवी पटेल के सिर...

मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 की प्रतियोगिता में सूरीनाम की लिसा अब्दोएलहक को प्रथम रनर–अप घोषित किया गया। नीदरलैंड की मालविका शर्मा ने दूसरा रनर–अप स्थान प्राप्त किया। वहीं मिसेज श्रेणी में त्रिनिदाद और टोबैगो की सुआन मौटेट ने विजय प्राप्त की। इस श्रेणी में स्नेहा नांबियार को प्रथम रनर–अप और यूनाइटेड किंगडम की पवनदीप कौर को द्वितीय रनर–अप का खिताब मिला। इसके अलावा किशोर श्रेणी में ग्वाडेलोप की सिएरा सुरेट को मिस टीन इंडिया वर्ल्डवाइड का ताज पहनाया गया। इस श्रेणी में नीदरलैंड की श्रेया सिंह को प्रथम रनर–अप और सूरीनाम की श्रद्धा टेडजो को द्वितीय रनर–अप घोषित किया गया।

एक-एक घुसपैठिए ...

धरती पर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत हुई है। 2024 के विस चुनाव का आगाज करता हूं। अब भ्रष्टाचार करने वाली सरकार का परिवर्तन करना है। आदिवासी का हक छीनने वालों का परिवर्तन करना है। झारखंड की सरकार घुसपैठियों का कल्याण करना चाहती है। शाह ने कहा कि आपलोग पांच साल के लिए झारखंड में भाजपा की सरकार बनाएं। हमारी सरकार संताल परगना में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशियों को उल्टा लटकाकर सीधा कर देगी। शाह ने पूछा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि हर साल पांच लाख युवाओं को रोजगार देंगे। लोगों को नौकरी मिली क्या। उन्होंने कहा कि नौकरी देने की बजाय हेमंत सोरेन की सरकार युवाओं को दौड़ा रही है। ऐसा दौड़ा रहे हैं कि युवा दौड़ते–दौड़ते मर जाएं। अमित शाह ने कहा कि झारखंड में एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे लेकर नौकरियां बांटी जा रहीं हैं। गरीब, युवा आदिवासी को नौकरी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि चुनावों में युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया, महिलाओं को 2500 रुपए पेंशन का वादा किया, नवविवाहित बहनों को सोने का सिक्का देने का वादा किया, सरकार बनने के बाद सारे वादे भुला दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले जनता से बड़े–बड़े वादे करने वाली इस सरकार ने झारखंड को सिर्फ भ्रष्टाचार दिया। एक हजार करोड़ का खनन घोटाल किया, सेना की जमीन खा गए। इस सरकार ने झारखंड को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। अमित शाह ने हेमंत सोरेन की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद करने वाली सरकार है। दूसरी ओर भाजपा है, जो आदिवासियों की चिंता करने वाली पार्टी है। झारखंड में 37 आदिवासी बहनों का बलात्कार हुआ। साहिबगंज और दुमका की बेटी की हत्या कर दी गई, लेकिन यह सरकार कुछ नहीं बोलती। अमित शाह ने कहा कि जेएमएम और कांग्रेस आदिवासी कल्याण की बात करती है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की केंद्र में सरकार थी, तो उसने आदिवासी कल्याण के लिए 20 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया था। वर्ष 2013–14 में. केंद्र में मोदी की सरकार बनने के बाद अब उसी विभाग का बजट 1.20 लाख करोड़ रुपए हो गया है। मोदी की सरकार ने आदिवासियों के लिए डीएमएफटी फंड दिया। 63,000 गांवों के विकास के लिए 50 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की व्यवस्था की है। अमित शाह ने कहा कि मैं कहकर जाता हूं कि हमारा घोषणा पत्र आएगा। हम 75 साल से ज्यादा आयु के गरीब परिवारों को 10 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की व्यवस्था करेंगे। आपके धान को उचित दाम पर खरीदेंगे। गांवों को सड़क, एंबुलेंस, अस्पताल और डॉक्टर की सुविधा मिलेगी। शाह ने कहा कि झारखंड की रचना भाजपा के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने जन–कल्याण की जगह घुसपैठिया कल्याण अपनाया है। आज पाकुड़ जिले में *हिंदुओं और आदिवासी झारखंड छोड़ो* जैसे नारे लगते हैं। आदिवासियों की इस भूमि को केवल और केवल नरेंद्र मोदी और भाजपा बचा सकते हैं।

मां के पेट में ...

तरह के 200 केस ही रिपोर्ट हुए हैं, जो लिटरेचर में ऑनलाइन अवेलेबल हैं। यह प्रेग्नेंट लेडी हमारे पास आठवें नौवें महीने में आई थी। बच्चे के अल्ट्रासाउंड करने के बाद हमने पाया कि बच्चे के अंदर पेट में गांठ दिख रही थी। जिसमें कैल्शियम जमा हुआ लग रहा था लेकिन जब हमने उसमें डॉपलर करके देखा तो खून आने लगा था। जब ऐसा होता है तो संभावनाओं में सबसे पहले फिटस और फीटू करके कंडीशन होती है। उसमें की बच्चे के अंदर बच्चा पल रहा होता है। पहली संभावना उसकी लग रही थी क्योंकि उसके डीडी में एक स्ट्रांग डीडी होती है जो मैच्योर टेराटोमा होता है जो एक तरह का टयूमर होता है। इसमें कैली फिकेशन के पीछे जो शैडो हो जाती है, तो उसको क्लियर करने के लिए और हमने देखा, लेकिन उसमें दो संभावनाएं बनी एक तो बच्चे के अंदर बच्चा हो सकता है दूसरा ट्यूमर होने का अंदेशा था। इसके बाद नार्मल डिलीवरी हुई बेबी हुई। मासूम की सीटी स्कैन की रिपोर्ट आई है। लेकिन इसमें वह शैडो नहीं दिखाई दी जो पहले सोनोग्राफी में दिख रही थी। रिलेटिवली ऑर्गेनाइज्ड कैलशिफिकेशन जो दिख रहा था वह बच्चा होने की संभावना ज्यादा बताता है।

प्रसाद विवाद पर ...

पुरी ने कहा कि प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलना सनातन धर्मावलंबियों की भावनाओ पर कुठाराघात है। भगवान वेंकटेश्वर का दर्शन करने के लिए पूरे विश्व से लोग आते हैं, इसलिए वो आंध्र प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि तत्काल वहां बनने वाले प्रसाद की मात्रा को सीमित करने के साथ ही उन्होंने इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पंचायती बड़ा अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश ने कहा यह सनातन धर्म को नीचा दिखाने की बड़ी साजिश है। वे सरकार से मांग करते करते हैं कि मामले की जांच कराकर दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये।उन्होंने कहा इस मामले में जगन रेड्डी ही नहीं बल्कि मंदिर न्यास से जुड़े पदाधिकारी भी दोषी हैं। काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि ये बड़ी ही शर्मनाक घटना है। सरकार को चाहिए कि न्यास के सभी तत्कालीन सदस्यों और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे। इसी के साथ बाबा हठयोगी महाराज ने इस कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि इसे सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराया जाए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जगन सरकार में तिरुपति बालाजी मंदिर में बनने वाले लड्डू प्रसाद में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया। एनडीडीबी काल्फ लैब की रिपोर्ट में वाईएसआरसीपी शासन के दौरान इस्तेमाल किए गए घी में पशु चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इस रिपोर्ट के बाद देशभर में इसे लेकर हल्ला मचा हुआ है। संत समाज ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

अस्पतालों का बकाया ...

हुए अस्पतालों का बकाया जल्द से जल्द चुकाने का आग्रह किया है। उन्होंने नसीहत दी कि दिल्ली में पार्टी इकाई की जय–जयकार करने की बजाय मुख्यमंत्री राज्य की खराब होती स्थिति पर ध्यान दें। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर इस आशय का संदेश साझा करते हुए जेपी नड्डा ने भगवंत मान से आग्रह किया कि वे अस्पतालों का बकाया जल्द से जल्द चुकाएं, क्योंकि ऐसे कई परिवार हैं, खासकर हमारे मेहनती किसान, जो आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में पार्टी इकाई की जय–जयकार करने की बजाय सीएम भगवंत मान को पंजाब की स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना उचित रहेगा। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों की कुल लंबित राशि 364 करोड़ रुपए है। बलबीर सिंह ने कहा कि लंबित भुगतानों के ब्योरे से पता चलता है कि सार्वजनिक अस्पतालों पर 166.67 करोड़ रुपए और निजी अस्पतालों के 197 करोड़ रुपए बकाया है। निजी अस्पतालों ने 600 करोड़ रुपए के बकाए का दावा किया है, जिसे मंत्री ने *झूठा और भ्रामक* करार दिया। इस विवाद के चलते कई निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज बंद कर दिया है।

सुतिया छात्र संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

गोलाघाट/शोणितपुर (हिंस)। सुतिया छात्र संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज यहां प्रदर्शन किया। संगठन की मुख्य मांगों में सुतिया समुदाय को जनजाति का दर्जा देना, स्वायत्त परिषद का गठन और ऐतिहासिक सुतिया राज्य के प्राचीन स्मारकों के संरक्षण और सुंदरीकरण की मांग शामिल है। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष महेन बोरा के नेतृत्व में आज संगठन ने गोलाघाट जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और सरकार के कार्यों की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय वर्तमान प्रधानमंत्री ने छह समुदायों को जनजातिकरण का दर्जा प्रदान करने का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक उपरोक्त वादों को पूरा नहीं किये जाने को लेकर संगठन ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले छह समुदायों को जनजाति का दर्जा नहीं दिया जाता है तो वे एक क्रांतिकारी आंदोलन आरंभ करेंगे और चुनावों के दौरान सत्ताधारी पार्टी को जवाब देंगे। उधर, शोणितपुर जिला के गहपुर में ऑल असम सुतिया छात्र संघ की स्थानीय इकाई ने भी उपरोक्त मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। संगठन ने कहा कि अगर हमारी मांगों को सरकार स्वीकार नहीं करती है तो आगामी चुनावों में भाजपा सरकार को पूरी तरह से हराने के लिए कदम उठाया जाएगा।

प्रमोद बोड़ो ने वाइब्रेंट बीटीआर मिशन का किया शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ स्थित बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में वाइब्रेंट बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) मिशन का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मिशन के तहत आयोजित बीटीआर अधिकारियों के सम्मेलन को भी संबोधित किया। आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए प्रमोद बोड़ो ने कहा कि वाइब्रेंट बीटीआर मिशन परिषद सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य लोगों का समग्र सशक्तिकरण करना है। उन्होंने सभी प्रशासकों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर शांति, स्मार्ट और हरित बीटीआर के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को समर्पित करें, जो इस क्षेत्र के विकास के एजेंडे का केंद्रीय हिस्सा है। बोड़ो ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट बीटीआर बजट 2024-25 को रणनीतिक रूप से इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि बीटीसी के प्रत्येक विभाग को पर्याप्त संसाधन मिले, जिससे विकसित और प्रगतिशील बीटीआर का सपना साकार हो सके। सम्मेलन के दौरान वाइब्रेंट बीटीआर मिशन की रूपरेखा पेश की गई और विस्तार से समझाई गई। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, और महिला एवं बाल

विकास जैसे विभागों ने अपने विभागीय योजनाओं की प्रगति को प्रदर्शित किया, जिसमें केंद्रीय, राज्य और बीटीसी-विशिष्ट पहलों के साथ-साथ 100-दिवसीय लक्ष्यों की प्रगति भी शामिल थी। सम्मेलन में जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों के आयोजन के लिए एक कैलेंडर भी प्रस्तुत किया गया। इससे पहले, बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने अपने परिचयात्मक संबोधन में सभी विभागों के अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया, ताकि बीटीआर को एक प्रगतिशील क्षेत्र बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट बीटीआर मिशन का उद्देश्य बोड़ोलैंड क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन और विकास की दिशा में एक सुदृढ़ ढांचा तैयार करना और जमीनी स्तर पर शासन को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में बीटीसी एमसीएलए और सीईएम के राजनीतिक सचिव माधव चंद्र छेत्री, पूर्व विधायक चंदी बसुमतारी, कोकराझाड़ के उपायुक्त मसांदा पर्टिन, बीटीसी के सचिव, सीएचडी और सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी समेत कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कोकराझाड़ में 10 केएलडी शोधन संयंत्र का पार्षद हसदा ने किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के शहरी विकास के कार्यकारी पार्षद विल्सन हसदा ने आज कोकराझाड़ में 10 केएलडी मल कीचड़ शोधन संयंत्र (एफएसटीपी) का उद्घाटन किया, जो मूविंग बेड बायोफिल्म रिएक्टर (एमबीबीआर) तकनीक का उपयोग करता है। यह परियोजना बीटीआर में अपनी तरह की पहली है। इस परियोजना को यूनिसेफ के जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य (डब्ल्यूएएसएच) सेक्शन का तकनीकी समर्थन प्राप्त है, जबकि निर्माण सहायता ग्रीन टेक द्वारा प्रदान की गई है।

सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत रंगिया सिविल अस्पताल में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा रंगिया के विधायक भवेश कलिता के सौजन्य से विभिन्न सेवामूलक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को भाजपा के उत्तर कामरूप जिला समिति और युवा मोर्चा के सहयोग से रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में एक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तथा रंगिया के स्थानीय विधायक भवेश कलिता ने भाग लेते हुए अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों और नर्सों का अभिनंदन किया। उन्होंने अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य सहित अस्पताल के चिकित्सक डॉ. नीलमणि कलिता, डॉ. तिलक कुमार, डॉ. कुलदीप ठाकुरिया, डॉ. इफ्तिकार हुसैन, डॉ. पापोरी दास और अस्पताल के कर्मचारी

अमूल्य वैश्य का फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया। इसके साथ ही कार्यक्रम के अंश स्वरूप विधायक कलिता ने अस्पताल में मौजूद कई रोगियों से बातचीत की और मरीजों के बीच फल मूल का वितरण किया। इस मौके पर भाजपा उत्तर कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष सुबल पाल सहित पार्टी के बहुत से कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनजाति बेल्ट और ब्लॉक से संदिग्ध नागरिकों को बाहर निकाले जाने के मुख्यमंत्री के कदम का स्वागत

कोकराझाड़ (हिंस)। यूनाइटेड ट्राइबल ऑर्गनाइजेशन, असम (यूटीओए) ने सोनापुर के जनजाति बेल्ट और ब्लॉक इलाके से संदिग्ध नागरिकों को बाहर करने के लिए उठाए गए कदमों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का आभार व्यक्त किया। आज कोकराझाड़ प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष मार्क्यूस बसुमतारी ने मुख्यमंत्री के कदमों की सराहना करते हुए असम के कुल 47 जनजाति बेल्ट और ब्लॉक में घुसपैठियों की निकासी की मांग की। संगठन के अध्यक्ष ने जनजाति की जमीन को खाली करने और जनजाति लोगों को वापस करने की मांग की। मार्क्यूस बसुमतारी ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियर रिजन (बीटीआर) के 19 जनजाति बेल्ट और ब्लॉक इलाके से अवैध नागरिकों को बाहर निकालने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि असम और बीटीसी इलाके में रहने वाले जनजातियों को निकालने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उसे बंद कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी के सोनापुर इलाके के जनजाति बेल्ट और ब्लॉक इलाके में घुसे अवैध नागरिकों को बाहर निकालने के लिए असम सरकार पिछले कुछ समय से अभियान चला रही है। इसी कड़ी में गत 12 सितंबर को पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों पर अवैध निवासियों ने हथियारों के साथ हमला कर दिया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 23 से अधिक पुलिस और प्रशासन के अधिकारी और कार्मिक तथा 13 प्रदर्शनकारी नागरिक घायल हुए थे। उसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई को रोकने के साथ ही अवैध नागरिकों को इलाका खाली करने के लिए नोटिस जारी किया। माना जा रहा है कि जिला प्रशासन बहुत जल्द फिर से इलाके को खाली कराने के लिए अभियान चलाने जा रहा है।

हेडमास्टर पर नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज

बरपेटा (हिंस)। जिले के कलगछिया पुलिस थाने में एक हेडमास्टर पर 12 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह घटना बरपेटा जिले के ग्राम रामपुर की है। पुलिस थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक रूपसी प्राथमिक शिक्षा खंड के तहत आने वाले पूर्वी रामपुर बालिका प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अकबर अली ने स्कूल की छुट्टी के बाद पांचवीं कक्षा की छात्रा को दूसरी कक्षा में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अकबर अली इसके पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

बिंदाचारा जल जीवन मिशन योजना का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। आज दिन के 11 बजे कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना के अंतर्गत बिंदाचारा जल जीवन मिशन योजना का उद्घाटन गांव के गांवबूढ़ा और विसीडीस चेयरमैन ने किया। इसके बाद बिंदाचारा जल जीवन मिशन के समिति को सौंपा गया। साथ ही इस जल जीवन मिशन के जल मित्र को एप्वाइंटमेंट पत्र दिया गया। यहां एक स्पेशल गांव सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस सभा को पी एच ई के इंजीनियर और जल जीवन मिसान के नोडल अधिकारी मनोज नंदी उपस्थित थे।

रुपज्योति कुर्मी ने प्रदर्शनकारियों को लताड़ा

भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप लगाया

जोरहाट। मरियानी के विधायक रुपज्योति कुर्मी ने आज मीडिया को दिए गए बयान में गिब्बन अभयारण्य के पास तेल अन्वेषण को लेकर हो रहे हालिया प्रदर्शनों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर भ्रामक जानकारी फैलाने और प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। कुर्मी ने प्रदर्शनकारियों के इरादों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या उन्होंने कभी अभयारण्य की रक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठाया है, जैसे कि एक भी पेड़ लगाना। उन्होंने विशेष रूप से आरटीआई कार्यकर्ता रोहित चौधरी को निशाने पर लेते हुए कहा कि तेल और गैस अन्वेषण पर उनके द्वारा साझा की गई जानकारी भ्रामक है। विधायक ने कहा कि जहां एक ओर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लोकप्रिय *अरुणोदोई 3.0* योजना का शुभारंभ किया। वहीं यह प्रदर्शन ध्यान भटकाने और कांग्रेस सहित राजनीतिक नेताओं द्वारा किए गए व्यापार घोटालों को छिपाने का एक प्रयास प्रतीत होता है। कुर्मी ने गिब्बन अभयारण्य के आसपास के पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) पर जारी गजट अधिसूचना का जिक्र करते हुए पूछा कि उस समय कोई आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई, लेकिन अब कार्यकर्ता इस मुद्दे को गुमराह करने और भ्रष्ट आचरण को छिपाने के लिए उठा रहे हैं। तेल अन्वेषण की राज्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए और भारत सरकार तथा असम सरकार की इस राष्ट्रीय प्राथमिकता के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, कुर्मी ने जनता को आश्वस्त किया कि यह अन्वेषण न तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा और न ही गिब्बन को। उन्होंने कहा कि न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही मुख्यमंत्री शर्मा ऐसी किसी परियोजना की अनुमति देंगे, जो प्राकृतिक आवास से समझौता करे। कुर्मी ने स्पष्ट किया कि केयर्न ऑयल एंड गैस वेदांता का तेल ड्रिलिंग स्थल गिब्बन अभयारण्य से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, न कि उसके भीतर। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अगर परियोजना के तहत कोई पेड़ काटे जाते हैं, तो केयर्न ऑयल एंड गैस, वेदांता इसकी क्षतिपूर्ति के उपाय करेगा। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने एक मानचित्र भी दिखाया, जिसमें ड्रिलिंग स्थल और गिब्बन अभयारण्य के बीच की हवाई दूरी 13 किलोमीटर है। कुर्मी का यह बयान कार्यकर्ताओं द्वारा फैलाए जा रहे बढ़ते भ्रामक सूचनाओं के बीच आया है, जिसमें कहा जा रहा है कि तेल ड्रिलिंग गिब्बन

के आवास को प्रभावित करेगी। कुर्मी के सख्त रुख ने असम सरकार और भारत सरकार दोनों के जिम्मेदार अन्वेषण पर दिए गए बयान को मजबूत किया, यह कहते हुए कि यह परियोजना अभयारण्य या उसके वन्यजीवों को कोई खतरा नहीं है।

बंगाईगांव के दोसीमापाड़ा में महिला संग युवक गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। एक महिला और एक युवक को धान के खेत में अवैध रूप से प्रेमालाप करते हुए अनियंत्रित अवस्था में स्थानीय लोगों ने पकड़ा। यह घटना बंगाईगांव सदर थाना अंतर्गत दोसिमापारा में हुई। युवक की पहचान सौरव चौधरी के रूप में हुई और वह धलागांव का रहने वाला है। महिला बरपारा पहाड़तली की रहने वाली है। बाद में दोनों को स्थानीय लोगों ने पुलिस को सौंप दिया। महिला तीन बच्चों की मां है और युवक एक बच्चे का पिता है। इस घटना को लेकर गांव में सनसनी व्याप्त है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनएसयूआई, रंगिया महाविद्यालय का नवागत स्वागत समारोह आयोजित

रंगिया (विभास)। भारतीय जातीय छात्र यूनियन यानी एनएसयूआई की रंगिया शाखा ने गुरुवार को रंगिया महाविद्यालय के ऑडिटोरियम भवन प्रांगण में नवागत समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर महाविद्यालय प्रांगन में सुबह 9 बजे महाविद्यालय के एनएसयूआई ग्रुप के अध्यक्ष बिशाल दास ने ध्वजारोहण किया। वहीं सुबह 10 बजे से इस आयोजित कार्यक्रम समारोह की अध्यक्षता कामरूप जिला एनएसयूआई के अध्यक्ष शकील अहमद ने की, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र शइकिया और असम राज्य एनएसयूआई के अध्यक्ष कृषाणु बरुवा उपस्थित रहे और अपने भाषण में उन्होंने छात्र संगठन के इतिहास के बारे में बताया। वहीं दूसरी ओर समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. हेमेंद्र शर्मा की उपस्थिति में निर्दिस्ट वक्ता के रूप में विशिष्ट

अभिनेता कौशिक भारद्वाज ने उपस्थित होकर छात्र छात्राओं से बातचीत की। इसके बाद छात्रों ने स्वदेशी लोक वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन परागज्योति डेका ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय कि अध्यापिका डॉ. बिजुली चक्रवर्ती और डॉ. पूरोबी वैश्य ने छात्रों को प्रेरक भाषण दिए। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के एनइसयूआई ने नवागंतुकों की बैठक के साथ नई समिति का गठन किया। अंत में आमंत्रित कलाकार नेकिब और सुमी शर्मा के गीतों की प्रस्तुति के साथ स्वागत समारोह और संघ की वार्षिक बैठक का समापन हुआ।

मोइराबाड़ी पुलिस ने पांच शातिर साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले में पुलिस ने पांच शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात पुलिस ने अभियान चलाकर पांचों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों की पहचान धिंग के गायन गांव निवासी जहांनूर अली, धिंग के लहकरघाट गांव निवासी फिरदौस अली, वाकीबुर रहमान और हुसैन जहांगीर अली, मैराबाड़ी के शगुनबाही गांव निवासी बाबुल इस्लाम के रूप में हुई। फिलहाल पुलिस पांचों से पूछताछ कर रही है।

OFFICE OF THE CHAIRMAN, STATE LEVEL POLICE RECRUITMENT BOARD, ASSAM
REHABARI, GUWAHATI

No. SLPRB/Rec/Const (AB & UB)/617/2023/254

NOTICE

Reference, Recruitment for **(i) 1645** posts of Constable (UB), **2300** posts of constables (AB) in Assam Police & **1** post of Constable (UB) in APRO issued vide No. SLPRB/REC/CONST (AB & UB)/617/2023/200 dated: 06-10-2023 **(ii) 114** posts of Constable (UB) and **1** post of constables (AB) backlog posts for **Hills Tribe** category in Assam Police issued vide No. SLPRB/REC/SRD/ CONST (AB & UB)/625/2023/64 dated: 06-10-2023, **(iii) 58** posts of Boatman in Assam Police issued vide No. SLPRB/REC/BOATMAN/606/2017/137 dated:06-10-2023, **(iv) 654** posts of Driver Constable in Assam Police issued vide No. SLPRB/REC/DRIVER CONSTABLE/649/2023/60 dated: 06-10-2023, **(v) 204** posts of Constable of Police (Communication), **2** posts of Constable (Dispatch Rider), **2** posts of Constable (Messenger) & **2** posts of Constable (Carpenter) in APRO issued vide No. SLPRB/REC/CONSTABLE/APRO/ 664/ 2023/ 30 dated: 06-10-2023, **(vi) 262** posts of Constable of Police (Communication), **3** posts of Constable (Driver), **9** posts of Constable (Dispatch Rider), **2** posts of Constable (Handymen), **14** posts of Constable (Messenger) & **3** posts of Constable (Carpenter) in APRO and **1** post of Sub-Officer & **39** posts of Emergency Rescuer under Fire & Emergency Services, Assam issued vide No. SLPRB/REC/CONST. ETC./APRO & FES /612/2022/110 dated: 07-02-2023 & **(vii) 269** posts of Constable (Grade-IIT) under DGCD & CGHG, Assam issued vide No. SLPRB/REC/ Constable/ CD & HG/665/2023/96 dated:25-01-2024.

The Physical Standard Test (PST) & Physical Efficiency Test (PET) will be conducted for the posts mentioned above where the PET consists of 3200 mtrs & 1600 mtrs race for Male and Female respectively. Hence, Candidates who have applied against more than one advertisement having the same standards for the race will attend the PST & PET only once for all the posts he/ she has applied for. The Physical Standard Test (PST) & Physical Efficiency Test (PET) will start **w.e.f. 03-10-2024.** Candidates will have to appear for their PST & PET at the venue mentioned in their admit cards.

Candidates will be able to download their Admit Cards for the PST & PET with effect from **23-09-2024** from the SLPRB website www.slprbassam.in

Candidates facing difficulty in downloading the Admit Card may contact the Help Line No.8826/62317 or send an Email at slorbadmitcard@gmail.com

Sd/-
Director General of Police, Assam
&
Chairman
State Level Police Recruitment Board, Assam
Ulubari, Guwahati

-- Janasanyog/ D/6140/24/21-Sep-24

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

होजाई (निसं)। होजाई पुलिस थाने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा होजाई जिला के अध्यक्ष पुतुल दास ने आज दाखिल किया है यह एफआईआर। सचिव अर्जुन मजुमदार ने स्थानीय संवाददाताओं को बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ी जाति जनगोष्ठी के संदर्भ में विभाजनकारी और अनुचित वक्तव्य और विभिन्न जाति, जनगोष्ठी के बीच संघर्ष, विभाजन और अविश्वास का वातावरण सृष्टि किए जाने पर राहुल गांधी के विरुद्ध उक्त एफआईआर दाखिल किया गया है। उन्होंने मांग की जल से जल राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द होनी चाहिए।

माहेश्वरी सभा गुवाहाटी की वार्षिक आम सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। नगर के छत्रीबाड़ी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन के मुख्य सभागार में माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के 20वें सत्र की द्वितीय वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष सीताराम बिहानी के सभापतित्व में सफलतापूर्वक हुई। वार्षिक साधारण सभा के मंचापूर्ति के पूर्व सभा के सलाहकार रमेश कुमार चांडक ने मंच संचालन करते हुए सभी प्रबुद्ध जनों से भगवान महेश का पूजन अर्चन तथा दीप प्रज्ज्वलित करवा कर इष्ट को मनाया। भक्ति भाव के साथ महेश वंदना के सामुहिक गायन के पश्चात मंच गठन करवाते हुए अध्यक्ष सीताराम बिहानी, सचिव सुरेन्द्र लाहोटी तथा कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती को सम्मान मंचासिन करवाया। सभापति द्वारा सभा आरंभ की घोषणा के पश्चात सभागार में उपस्थित माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष कैलाश काबरा, नथमल चाण्डक, मदन मोहन मल, निरंजन

लाल काबरा, राजकुमार सोमानी को सभा को दी गई उल्लेखनिय सैवाओं के लिए फुलाम गोमोछा पहना कर अभिनंदन किया। सर्वेश्रेष्ठ कार्यसमिति सदस्य के रूप में रमेश तापड़िया को अध्यक्षीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मायड़ भाषा में अपना अध्यक्षीय संबोधन रखते हुए सीताराम बिहानी ने सांगठनिक जुड़ाव एवं आपसी सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने में विशेष जोर देते हुए विगत वर्ष में सभा द्वारा लिक से हटकर किए गए सेवा मुलक एवं समाजिक कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए इसका श्रेय सदस्यों की उपस्थिति एवं उनके रचनात्मक सहयोग को देते हुए भावी कार्य क्रम पर अपने विचार साझा करते हुए सभी के सहयोग की कामना की। इसके बाद गत बैठक की कार्यवाही, सचिव प्रतिवेदन, तथा गत वित्तीय वर्ष के हिसाब का लेखा जोखा सदन में प्रस्तुत किया गया, जिस पर आई जिज्ञासाओं पर मंच से अपने विवेक से जानकारी दी तथा आये सुझावों को गृहीत कर कार्यसमिति में चर्चा कर कार्य को गति दिये जाने प्रति आश्वस्त किया। एक सुझाव पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सभा अध्यक्ष ने शाखा संस्थाओं में युवा व महिला संगठन के सचिव को मंच पर स्थान देते हुए महिला संगठन की सचिव पुष्पा सोनी तथा युवा संगठन के अध्यक्ष शिव रतन सोनी को मंच आमंत्रण कर आसन ग्रहण करवाया। इस संबंध में अन्यान्य में भी बहुत से समाज बंधुओं एवं बहनों ने अपने सुझाव व जिज्ञासा रखी। सचिव श्री सुरेन्द्र लाहोटी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

संपादकीय

एक देश, अनेक चुनाव

हालांकि केंद्रीय कैबिनेट ने 'एक देश, एक चुनाव' की अनुशंसा को स्वीकृति दे दी है, लेकिन उसे लागू करने का रास्ता पेचीदा और पथरीला है। यह अनुशंसा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च अधिकार समिति ने की थी, जिसने अपनी विशालकाय रपट मार्च, 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। यदि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाए, तो यकीनन शासन, प्रशासन, सुविधा और आर्थिक खर्च के स्तर पर यह एक ठोस नीति साबित हो सकती है। कोविंद समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से चर्चा की, लेकिन 33 दल एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं, जबकि 15 दल पूरी तरह विरोध में हैं। वे 'इंडिया' गठबंधन के घटक ही हैं। जाहिर है कि संसद में बिल पर बहस के दौरान भी विभाजन की स्थिति बनी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस आशय का बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन करने पड़ेंगे, लिहाजा सरकार को दो-तिहाई बहुमत, यानी लोकसभा में ही 362 सांसद, की दरकार होगी। संसद के दोनों सदनों में सरकार को सामान्य बहुमत ही हासिल है। तो क्या देश में अनेक चुनावों की ही व्यवस्था जारी रहेगी? विपक्ष उसे ही संघीय ढांचा मानता है। हालांकि चुनाव आयोग ने पूरे देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का दावा किया है, लेकिन यह सवालिया है, क्योंकि चुनाव आयोग एक साथ हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने में असमर्थ रहा है। अब नवंबर में उसे दो चुनाव कराने पड़ेंगे और संभवतः जनवरी में दिल्ली के चुनाव कराने पड़ें। लिहाजा जून, 2029 तक 'एक साथ चुनाव' कराने के बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी का मानना है कि 'एक साथ चुनाव' कराना संभव है, लेकिन व्यावहारिक नहीं है। हमें तीन गुना ईवीएम और तीन गुना वीवीपैट की जरूरत होगी। उसी अनुपात में सुरक्षा बल और चुनाव कर्मी भी चाहिए। आम चुनाव, 2024 में करीब 70 लाख चुनाव कर्मचारी तैनात किए गए थे। हर 5 साल बाद 15 फीसदी अधिक चुनाव कर्मियों की जरूरत होगी। अभी तो ईवीएम के भंडारण तक की व्यवस्था नहीं है। सरकार को 8-10 हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। ये तमाम बंदोबस्त 2029 तक संभव नहीं हैं, क्योंकि ईवीएम का उत्पादन ही सीमित है। बहरहाल संविधान के अनुच्छेदों-83, 85, 172 से 174 और 356-में संशोधनों के लिए राज्यों की सहमति अनिवार्य नहीं है। ये अनुच्छेद राष्ट्रपति, केंद्र सरकार और संसद से जुड़े हैं, लेकिन ध्यान रहे कि अब लोकसभा में 234 सांसदों वाला विपक्ष मौजूद है और वह 'एक साथ चुनाव' के पक्ष में नहीं है। सिर्फ दो-तिहाई बहुमत से ही ये संशोधन पारित किए जा सकते हैं। सरकार कैसे करेगी? यदि 2029 से ही 'एक साथ चुनाव' की व्यवस्था लागू करनी है, तो 22 राज्यों में समय से पहले और 5 राज्यों में कार्यकाल में देरी से चुनाव कराने पड़ेंगे। इसके अलावा, 6 विधानसभाओं-गुजरात, हिमाचल, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, कर्नाटक-के कार्यकाल एक साल एक महीना से लेकर एक साल 7 महीने के ही रह जाएंगे। ऐसा कौनसी निर्वाचित विधानसभा चाहेगी? 'एक देश, एक चुनाव' कोई नई व्यवस्था नहीं है। आजादी के बाद 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते रहे। तब तक देश में कांग्रेस की निरंकुश सत्ता थी। 1967 में विपक्ष के गठबंधन बनने लगे, लिहाजा कांग्रेस कई चुनावों में पराजित भी हुई, नतीजतन 1971 का चुनाव ऐसा था कि चुनाव अलग-अलग कराए गए। उसके बाद व्यवस्था ही बदल गई। आज 'एक साथ चुनाव' अजूबा लग रहे हैं। उस दौर में देश की आबादी भी कम थी, लिहाजा मतदाता भी कम थे। अब 95 करोड़ से अधिक मतदाता आम चुनाव में शिरकत करते हैं। अब लगता है मानो हर छह माह के बाद कहीं न कहीं चुनाव हो रहे हैं! सरकार इस अवांछित बोझ से छुटकारा पाना चाहती है। चुनाव कहीं भी हों, लेकिन पूरी व्यवस्था ठप पड़ जाती है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च अधिकार समिति ने की थी, जिसने अपनी विशालकाय रपट मार्च, 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। यदि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाए, तो यकीनन शासन, प्रशासन, सुविधा और आर्थिक खर्च के स्तर पर यह एक ठोस नीति साबित हो सकती है। कोविंद समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से चर्चा की, लेकिन 33 दल एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं, जबकि 15 दल पूरी तरह विरोध में हैं। वे 'इंडिया' गठबंधन के घटक ही हैं। जाहिर है कि संसद में बिल पर बहस के दौरान भी विभाजन की स्थिति बनी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस आशय का बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन करने पड़ेंगे, लिहाजा सरकार को दो-तिहाई बहुमत, यानी लोकसभा में ही 362 सांसद, की दरकार होगी। संसद के दोनों सदनों में सरकार को सामान्य बहुमत ही हासिल है। तो क्या देश में अनेक चुनावों की ही व्यवस्था जारी रहेगी? विपक्ष उसे ही संघीय ढांचा मानता है।

भारत में लाखों मंदिर, अनाथालय, गोशालाएं, पाठशालाएं और गुरुकुल इत्यादि इसी पद्धति से चलते थे और अभी भी चलते हैं

सवालों के घेरे में वक्फ बोर्ड

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

परोक्ष रूप से वक्फ सम्पत्ति अब दान करने वाले की रहती ही नहीं। इसलिए वापस लेने का प्रश्न ही समाप्त हो जाता है। यदि वह वक्फ वापस लेना भी चाहे तो यह सम्भव नहीं है। जो व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को वक्फ के लिए देता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वक्फ की गई सम्पत्ति को प्रबंध करने के लिए वाकिफ किसी मुतावली (न्यासी) की व्यवस्था करेगा। इस व्यवस्था के लिए मुतावली जो मेहनत करेगा, उसकी एवज में उसी वक्फ की आमदनी का कुछ हिस्सा मिल सकता है। कुल मिला कर वक्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है।

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ ऐसी सम्पत्ति से है जो परमार्थ के लिए दान कर दी गई हो। परमार्थ कार्यों में मजहबी कार्यक्रम भी शामिल किए जा सकते हैं। लेकिन दान करते समय दान करने वाले को यह भी स्पष्ट करना होगा कि अब वह या उसके वारिस इस सम्पत्ति को वापस नहीं ले सकेंगे। जो सम्पत्ति कुछ निश्चित समय के लिए दान में दी जाए और दान देते समय ही स्पष्ट कर दिया जाए कि पांच साल के लिए इस सम्पत्ति की आय का उपयोग परमार्थ के लिए किया जा सकता है, उसके बाद सम्पत्ति दान करने वाले के पास वापस लौट जाएगी तो वह वक्फ नहीं माना जाएगा। परोक्ष रूप से वक्फ सम्पत्ति अब दान करने वाले की रहती ही नहीं। इसलिए वापस लेने का प्रश्न ही समाप्त हो जाता है। यदि वह वक्फ वापस लेना भी चाहे तो यह सम्भव नहीं है। जो व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को वक्फ के लिए देता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वक्फ की गई सम्पत्ति को प्रबंध करने के लिए वाकिफ किसी मुतावली (न्यासी) की व्यवस्था करेगा। इस व्यवस्था के लिए मुतावली जो मेहनत करेगा, उसकी एवज में उसी वक्फ की आमदनी का कुछ हिस्सा मिल सकता है। कुल मिला कर वक्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है। वह अपनी सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए किसी मुतावली अर्थात न्यासी के हवाले कर देता है और उसका प्रयोग केवल परमार्थ के लिए हो सकता है। लेकिन वह अपनी सम्पत्ति किसी ऐसे मुतावली को भी दे सकता है जो पहले ही किसी सम्पत्ति का परमार्थ के लिए प्रबंधन कर रहा हो। यानी पहले से ही बने हुए किसी ट्रस्ट को भी सम्पत्ति दान की जा सकती है, यदि दान का उद्देश्य एक समान हो। यह पद्धति हिंदोस्तान में इस्लाम के पैदा होने से भी पहले से चली आ रही है। भारत में लाखों मंदिर, अनाथालय, गोशालाएं, पाठशालाएं और गुरुकुल इत्यादि इसी पद्धति से चलते थे और अभी भी चलते हैं। अंग्रेजों के आने से पहले भी मस्जिदें, दरगाहें, मदरसे, यतीमखाने वगैरह भी इसी पद्धति से चलते थे। वक्फ, वाकिफ और मुतावली शब्द क्योंकि अरबी भाषा के हैं, इसलिए लगता है कि शायद यह कोई नई योजना है जो इस्लाम के पैदा होने के बाद से ही दुनिया में प्रकट हुई है। लेकिन वक्फ को लेकर असली काला धंधा 1857 के बाद हुआ और यह ब्रिटिश

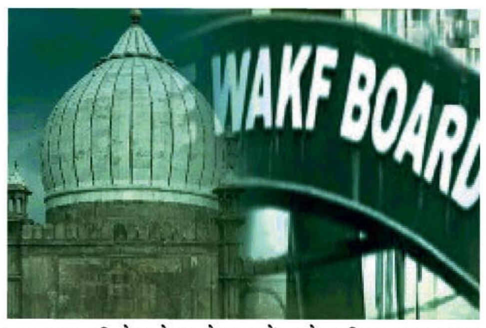

सरकार द्वारा विशेष उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए किया गया। 1857 में आजादी की पहली लड़ाई में सभी भारतीयों ने मिल कर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसमें देसी मुसलमान भी शामिल थे। यहां तक एकता थी कि स्वतंत्रता संग्रामियों ने उसी मुगल वंश के बहादुरशाह को हिंद का बादशाह घोषित कर दिया जिस मुगल वंश से देश को आजाद करवाने के लिए शिवाजी मराठा, महाराणा प्रताप, गुरु गोबिंद सिंह, बंदा बहादुर, लचित बडफूकन जैसों ने अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उद्देश्य केवल इतना था कि एकता बनी रहनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से इस स्वतंत्रता संग्राम में भारत की हार हुई और भारत पर ब्रिटेन का प्रत्यक्ष कब्जा हो गया। 1885 में कांग्रेस का जन्म हुआ और उसका उत्तर देने के लिए अंग्रेजों ने मेजर आप्रेशन से 1905 में मुस्लिम लीग को पैदा किया। 1857 के संग्राम पर मंथन किया गया। एक बात अंग्रेजों को स्पष्ट होने लगी थी कि भारत में अरब, तुर्क व मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमान संख्या में तो आटे में नमक के बराबर हैं, लेकिन भारत में से उनकी सत्ता का अंत हो जाने से उनका कष्ट हजार गुणा बढ़ा हुआ है। वे यह भी समझ चुके हैं कि अब वे अपने बलबूते भारत पर दोबारा कब्जा नहीं कर सकते। अब उनके लिए एक ही रास्ता बचा है कि डूबते जहाज में से जो बच जाए वही गनीमत है।

उनकी अपनी सत्ता का जहाज तो डूब ही चुका था। अब केवल उन्हें तिनकों का सहारा चाहिए था। ये तिनके देने में अंग्रेजों को भला क्या आपत्ति हो सकती थी। पहला तिनका मुस्लिम लीग थी, जो अंग्रेजों ने उनको 1905 में दिया था। मुस्लिम लीग पर कब्जा विदेशी मूल के शेखों और सैयदों का ही था। भारत के देसी मुसलमानों का उससे कुछ लेना-देना नहीं था। लेकिन ब्रिटिश सरकार की योजना देसी मुसलमानों को एटीएम मूल के मुसलमानों के शिकंजे में कसना था। उसके लिए मुस्लिम लीग बना भी ली। लेकिन उसके लिए पैसे का बंदोबस्त भी करना जरूरी था। अंग्रेज सरकार अपनी ओर से पैसा दे सकती थी, लेकिन अंग्रेज यहां का पैसा इंग्लैंड ले जाने के लिए आए थे, न कि यहां के कामों पर खर्च करने के लिए। इसका एक ही तरीका हो सकता था। देश भर में फैले मदरसों, वक्फों, मस्जिदों, दरगाहों, तुर्काक व मुगल शासन काल के दौरान इन विदेशी मूल के बादशाहों द्वारा रखी गई अरबों की सम्पत्तियों का नियंत्रण जनादेश एटीएम मूल के शेखों और सैयदों के हवाले कर दिया जाए। उससे दो लाभ होंगे। ये सैयद और शेख अंतिम दम तक अंग्रेज सरकार का समर्थन करेंगे। दूसरा ये देसी मुसलमानों पर नियंत्रण रखेंगे ताकि वे आजादी के आंदोलन से दूर रहें। तीसरी वक्फ सम्पत्तियों के केन्द्रीयकरण से एटीएम मूल के मुसलमानों के हाथ में अपार ताकत आ जाएगी और भारत में ही मजहब के नाम पर एक पक्ष खड़ा हो जाएगा। चौथा स्थानीय देसी मुसलमानों के हाथ से दरगाहों, मस्जिदों के प्रबंधन में हिस्सेदारी की संभावना सदा के लिए खत्म हो जाएगी और वे कभी भी स्वयं को विदेशी मूल के शेखों और सैयदों के कब्जे से मुक्त होने के बारे में सोचना भी बंद कर देंगे। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अंग्रेज सरकार ने मुस्लिम लीग की स्थापना के सात-आठ साल बाद ही वक्फ बोर्डों की स्थापना के कानून बना दिए। इस बोर्ड में कुल मिला कर गिनती के सदस्य होते हैं। वे मोटे तौर पर एटीएम मूल के सैयद, तुर्क या मुगल ही होते थे। इनके हाथ में देश की करोड़ों की सम्पत्ति का कब्जा दे दिया गया। बाद में जब मुस्लिम लीग, ब्रिटिश सरकार की साजिश और कांग्रेस की जल्दी सत्ता प्राप्ति की भूख से भारत का एक हिस्सा पाकिस्तान के नाम से अलग हो गया तो जो मुसलमान हिंदोस्तान छोड़ कर वहां चले गए, उनकी यहां रह गई सम्पत्ति का प्रश्न पैदा हुआ।

दृष्टि कोण

प्राइमरी स्कूलों की खेलों को बंद क्यों किया

स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है, यहां तो प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय प्राथमिक स्कूलों की खेलों को बंद करने का फरमान यह कहकर सुना चुका है कि खेल गैर-जरूरी, फिजूलखर्ची व समय की बर्बादी है। क्लास रूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडने का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकै। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना, वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण हैं कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती में बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांवों में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है।

कुछ अलग

मुझे मरने की फुरसत नहीं...

यह मजाक नहीं, अक्षरशः सत्य है कि मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। सुबह पोती को स्कूल छोडने घर से निकल रहा था, तभी यमदूत आ गए, बोले -''चलिए नरकलोक में आपको याद फरमाया जा रहा है।'' मैं बोला 'देखिये, डेढ़-दो घण्टे बाद आना, मैं अपनी पोती को स्कूल छोड़ आऊं।'' बेचारे मान गए, चुपचाप चले गए। स्कूल से छोडक़र आया तो पत्नी ने थैला थमा दिया और बोली - ''जाओ बाजार से सब्जी ले आओ।'' सब्जी लेने के लिए निकलने लगा और यमदूत फिर आ गए। मैंने कहा -''कमाल कर दिया। मैंने डेढ़-दो घण्टे का नाम लिया और आप इसी दरम्यान आ गए। थोड़ी तो लिहाज करो, मुझे तो ले जाना, लेकिन घर के सात सदस्यों की सब्जी तो लाकर दे दूं। अभी आप घण्टे भर और ठहरो।'' वे बोले -''देखो हमारी भी नौकरी है। महाराज यम कहेंगे कि किसी को लाने में इतना वक्त थोड़े ही लगता है। हम तो कोरियर वाले हैं, आत्मा को ले जाना हमारा काम है। चलो घण्टे भर बाद आ जाएंगे। लेकिन अब की बार नहीं चलेगा कोई बहाना।'' मैंने कहा-''मैं कोई बहाना नहीं कर रहा। यह वास्तविकता है।'' वे चले गए और मैं सब्जी लेने बाजार। वापस घर आया, शेव बनाने और नहाने-धोने तथा टिफिन तैयार करने में लग गया। मुझे याद ही नहीं रहा कि यमदूत आएंगे। स्कूटर स्टार्ट कर ही रहा था कि वे आ गए। वे बोले -''लाला, कहां रफूचक्कर हो रहे हैं। अभी घर से निकल जाते तो हम ढूंढते-फिरते। अब चलो।'' मैंने कहा -''अब तो शाम के 6 बजे तक मैं दफ्तर जाने के लिए बुक हूं। वहां लोगों के काम करने हैं और जाऊंगा तो दो पैसे रिश्वत के घर में लेकर आऊंगा, जिससे घर आराम से चलेगा। भाई नौकरी का मामला है, इस समय तो मैं नरक में भी नहीं जा सकता। नरक यहां क्या कम है। यहां भी भोग ही रहा हूं। ऐसा करो, फिलहाल किसी और को ले जाओ। बहुत से ठाले लोग हैं जो गप्पें लगा रहे हैं। यमराज कौनसा रिकॉर्ड देखने बैठेंगे, उसे डाल देंगे नरक में।'' यमदूत बोले - ''नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। हमारी नौकरी चली जाएगी। यमराज के पास पूरा रिकॉर्ड है। रिकॉर्ड में हेरा-फेरी के आरोप में हम फंस गए तो, इनक्वायरी बैठ जाएगी। इसलिए अब तो आप दफ्तर नहीं, यमराज के पास चलो।'' मैं बोला - ''देखो, मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। गृहस्थी की चक्की में कोल्हू के बैल की तरह जुता हुआ हूं। कृपया मुझे दफ्तर जाने दो। यमदूत दो थे, दोनों ने एक-दूसरे का मुंह देखा, फिर मुझसे बोले -''अच्छा तो शाम का टाइम बता दो, हम उस समय आ जाएंगे।'' मैंने कहा -''साढ़े छह बजे के बाद कभी भी आ जाओ।'' वे अपने धाम चले गए और मैं मेरे दफ्तर में। शाम को दफ्तर में यकायक काम आ गया तो समय पर निकलना नहीं हुआ। बॉस ने कहा – काम पूरा करके जाओ। मैं भी यहीं हूं। मन मारकर दिनभर लगाई गप्प का मजा किरकिरा हो गया। हारकर काम करते रहे। साढ़े सात बजे के करीब वाईफ का घर से फोन आया कि कोई दो डरावने से व्यक्ति घर पर मेरी वेट कर रहे हैं। मुझे यकायक याद आया कि यमदूत आ गए। मैंने सोचा यह मौत भी मेरे हाथ धोकर पीछे पड़ गई है। और मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। मैंने सोचकर पत्नी को फोन लगाया और कहा कि कह दो, उन्हें अभी टाइम नहीं है। आप किसी संडे को आना। वर्किंग-डे के दिन तो वाकई मरने की भी फुरसत नहीं है। यमदूत दफ्तर का पता नहीं जानते थे, अतः चले गए। लेकिन संडे को तो आएंगे न। संडे को पत्नी के साथ बाजार जाना है। देखो क्या होता है, मैं संडे को ही बता पाऊंगा। वास्तव में मुझे फिलहाल तो मरने की फुरसत नहीं है।

देश दुनीया से

सरकार के पास गुंजाइश है तेल की कीमतें घटाने की

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है।

तकरीबन एक साल पहले वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2024 के अंत तक दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएंगी। इस पूर्वानुमान ने भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, जो कि तेल के बड़े आयातक हैं। परंतु उनकी किस्मत अच्छी रही कि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। बल्कि, पिछले एक साल के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है और दाम का मानक 'ब्रेंट क्रूड' वर्तमान में 70-72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। यह बदलाव गंभीर भू-राजनीतिक संकटमयी माहौल के बावजूद है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म होने के आसार बहुत कम हैं।

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। व्यापारिक जहाजों के लिए इन समुद्री रास्तों से आना-जाना खतरनाक बना हुआ है, इनमें कई अब केप ऑफ गुड होप से होकर, लंबे और महंगे मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी इससे उक्त क्षेत्र से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई -समुद्री और थलीय- दोनों मार्गों से उपभोक्ताओं तक पहुंचना जारी है।

इसी प्रकार कई अन्य कारक भी रहे, जिनके चलते पिछले वर्ष तेल की कीमतों में मंदी का रुख रहा। सबसे महत्वपूर्ण में एक है वैश्विक मांग में कमी, विशेषकर दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक चीन से। उसकी आर्थिक दिक्कतें जारी हैं क्योंकि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन लगातार चौथे महीने सिकुड़ा रहा। पिछले एक साल के दौरान उम्मीद जगी थी कि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी से बाहर निकलेगा। परंतु ऐसा परिदृश्य अब दूर की कौड़ी लगता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पीछे हट रही हैं, ऐसे देश से जिसका उत्पादन शेष दुनिया की खपत क्षमता से अधिक है। चीन ने वर्ष 2023 में 5.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की थी, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में केवल 4.8 फीसदी ही छू पाएगी। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था का परिणाम है तेल आयात में कटौती।

तेल कीमतों में नर्मी लाने वाला एक और कारक है अमेरिका के उत्पादन में वृद्धि, जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है। वास्तव में, अनुमान है कि तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से इतर तेल उत्पादक मुल्क अपने उत्पादन में वृद्धि कर इस क्षेत्र में अग्रणी बने रहेंगे। इसके चलते, पिछले साल से ओपेक प्लस द्वारा संयुक्त उत्पादन में 2.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन स्वैच्छिक कटौती के असर की काफी हद तक भरपाई हो गई। पिछले सप्ताह इस कटौती को वापस लेने की उम्मीद थी, लेकिन बाजारों में लगातार मंदी के चलते, ओपेक कार्टेल ने कुछ और समय इसे जारी रखने का फैसला लिया। परंतु यह खबर भी कीमत वृद्धि करने में विफल रही, थोड़ी सी बढ़ी जरूर लेकिन फिर गिर गईं, यह बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता दर्शाता है।

तेल बाजारों में मंदी भारत के लिए एक वरदान के रूप में आई है, जो अपना 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन विदेश से खरीदता है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से, कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल प्राप्त कर पाया, जो उस साल रही ऊंची कीमतों के संकट से निबटने में मददगार रहा। हालिया गिरावट के रुझान का अर्थ है कि कच्चे तेल का जो मूल्य भारत ने अप्रैल में 89 डॉलर प्रति बैरल चुकाया, वह गिरकर वर्तमान में 72 डॉलर हो गया है। इस गिरावट का महत्व इस मोटे अनुमान से मापा जा सकता है कि तेल मूल्य में प्रति 10 डॉलर वृद्धि होने से चालू खाते के घाटे में 0.5 प्रतिशत का इजाफा हो जाता है। इस उत्साहजनक परिदृश्य में, सरकार के पास आम आदमी को कुछ राहत देने की खातिर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती करने की गुंजाइश बन जाती है।

आप का नजरीया

गणेशोत्सव का उद्घोष

त्योहार के मूड में परिवेश की संगत और बाजार के रुख में आ रहे बदलाव ने, हिमाचल की पहचान बदल दी। ताजातरीन उदाहरण गणेशोत्सव का है जहां न कोई सरकार और न ही कोई ओहदा शिरकत कर रहा है, बल्कि तमाम सांस्कृतिक समारोहों से ऊपर इसका सामाजिक उद्गार हो गया। गणेशोत्सव के मार्फत एक लघु भारत का उदय हिमाचल के शहर से गांव तक सफर करता रहा और जहां महिला मंडल इसकी पृष्ठभूमि में विविध सांस्कृतिक पहलुओं का मंचन करते देखे गए। यह दीगर है कि इस बहाने समाज का संगठित स्वरूप विकसित हुआ, लेकिन गणेश चतुर्थी से विसर्जन तक के सांस्कृतिक सफर में राज्य और प्रशासन की भूमिका में और सक्रियता, तैयारी, हस्तक्षेप तथा जिम्मेदारी की आवश्यकता है। राज्य के कला-संस्कृति विभाग को अपने सांस्कृतिक कैलेंडर में सामुदायिक त्योहारों की सूची बढ़ाते हुए गणेशोत्सव, छठ पूजा व क्रिसमस जैसे उत्सवों के बढ़ते हुए प्रचलन को अंगीकार करना होगा। छठ पूजा का महत्त्व बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आकर बसा जन समुदाय है, जो हिमाचल में आकर अपने आर्थिक सपनों के साथ अपनी संस्कृति का परिचय करवा रहा है। गणेशोत्सव सामुदायिक उल्लास का अनुशासित फलक है, जहां सांस्कृतिक नियमावली महाराष्ट्र से यहां पहुंच कर एक व्यापक संदेश, परिवर्तन व सामाजिक भूमिका का समर्थन कर रही है। यह त्योहार सबसे लंबा तथा विशुद्ध रूप से समाज को सांस्कृतिक उजास दे रहा है, तो इसका मूल्यांकन कई तरह से होना चाहिए। मसलन गणेशोत्सव अपने साथ कला के महत्त्व से बाजार खड़ा कर रहा है। हजारों मूर्तियों का उद्योग, महज कुछ दिनों में यहां की अर्थ व्यवस्था से धन निर्यात कर देता है, क्योंकि मूर्तिकार बाहर से आ रहे हैं। कहने को हमने कुछ कालेजों में आर्ट विषय व म्यूजियम में चित्रकला सीखने के स्कूल खोल दिए, लेकिन गणेशोत्सव की आर्थिकी में स्थानीय मूर्तिकार को तैयार नहीं कर पाए। क्रिसमस जैसे त्योहार ने हिमाचल की बेकरी व गिफ्ट बाजार की रौनक को नया अंदाज सौंप दिया। जाहिर है हर त्योहार के सांस्कृतिक व धार्मिक पक्ष के साथ बाजार का स्वभाव बदल जाता। बहरहाल गणेशोत्सव के दस दिन हिमाचल के बदलते परिदृश्य की कहानी भी हैं, जहां जीवन को अब इस तरह का मनोरंजन भी चाहिए और विसर्जन के हर पहलू को देखें, तो कितने ही मेले खड्डों-नालों और नदियों में डुबकी लगाने का शृंगार कर रहे हैं। क्या प्रशासन को यह खबर होती है कि गणेशोत्सव की टुकडियां कितनी बढ़ गईं और किस खड्ड की ओर बढ़ कर विसर्जन करेंगे। चामुंडा में एक युवा विसर्जन करते बाल-बाल बचा, लेकिन नादौन के दो युवकों का डूबना विसर्जन पद्धति पर सवालिया निशान पैदा करता है। ऐसे में हमें विसर्जन की सुरक्षा में स्थल तय करके ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जो 'घाट पर्यटन' को सशक्त करे। ब्यास आरती जैसे आयोजनों से मंडी में घाट पर्यटन की संभावना बनारस व हरिद्वार की तरह दिखी थी, लेकिन पिछली सरकार शिवधाम के लिए पर्वत खोदती रह गई।

युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनना चाहिए : सतीश

फतेहाबाद (हिंस)। मनोहर मैमोरियल कॉलेज के स्वामी विवेकानंद क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ. गुरचरन दास की अध्यक्षता में *युवा उद्यमिता कार्यशाला* का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर अर्थशास्त्री सतीश कुमार ने भाग लिया। वह भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में जाकर उद्यमिता विकास के लिए युवाओं को प्रेरित कर चुके हैं। इन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास के पांच सिद्धातों के बारे में बताया। विद्यार्थियों को स्वावलंबन के विषय में प्रेरित किया। इन्होंने देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों के बारे में बताया कि किस प्रकार ये उद्योगपति निचले स्तर से बड़े उद्योगपति बने। इस कार्यशाला में उन्होंने कहा कि हमें स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और हमारा देश भी विकसित होगा। मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि आज के बदलते परिदृश्य में सरकारी सेवाओं में रोजगार के सीमित अवसर उपलब्ध है वहीं आज के युवा निजी क्षेत्र में अपना उद्योग स्थापित करके आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला होना चाहिए। यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे युवाओं में उद्यमशीलता की प्रवृत्ति का विकास हो। इस कार्यशाला का सफल आयोजन स्वामी विवेकानंद क्लब के इंचार्ज डॉ. रोबिन आनंद, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. गुरचरन दास ने आए हुए गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। इस कार्यशाला में मंच का कुशल संचालन किंजा मिढ़ा ने किया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से डॉ. शैलेन्द्र, बजरंग गोदारा, मनीष, महाविद्यालय के टीचिंग स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्य द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

पंजाब सरकार ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वालों के 30 आश्रितों को दीं नौकरियां

कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने कृषि कानूनों के खिलाफ संघर्ष के दौरान जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों की सहायता करते हुए आज राज्य के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने 30 शहीद किसानों के वारिसों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें से 25 लोगों को कृषि और किसान कल्याण विभाग में क्लर्क और पांच को सेवादार के रूप में नियुक्ति पत्र मिले हैं। इसके अलावा पशुपालन विभाग में दो वेटरनरी इंस्पेक्टर और चार क्लर्क, जिनमें से तीन को अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिली है। उनके अतिरिक्त डेयरी विकास विभाग में दो स्टेनोग्राफरों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने नव-नियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए पंजाब के विकास और राज्य के लोगों को पारदर्शी और सुचारू रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य के युवाओं को अब तक विभिन्न विभागों में 44 हजार 974 सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह भर्ती पूरी तरह से मेरिट के आधार पर और पारदर्शी तरीके से की गई है। इस मौके पर कृषि विभाग के निदेशक जसवंत सिंह, पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. गुरशरनजीत सिंह बेदी, डेयरी विकास विभाग के निदेशक कुलदीप सिंह और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

पुलिसकर्मी ने लगाया विधायक और समर्थकों पर मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप

भदोही (हिंस)। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग की मुश्किलें फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रही है। विधायक और उनके समर्थकों पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बार विधायक और उनके समर्थकों पर अदालत में आत्मसमर्पण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से मारपीट, वर्दी फाड़ने और सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज हुआ है। ज्ञानपुर कोतवाली में तैनात पुलिसकर्मी अवधेश सिंह यादव की तरफ से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में विधायक और उनके समर्थकों को आरोपित करते हुए कहा गया है कि हम और अन्य साथी अदालत के गेट नंबर तीन पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सपा विधायक अपने 40-50 समर्थकों के साथ अदालत परिसर में दाखिल हुए। हमने साथियों के साथ उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन विधायक के साथ मौजूद समर्थक धक्का-मुक्की और मारपीट पर उतर आए। इस दौरान हमारी वर्दी भी फाड़ दी गई। अवधेश सिंह यादव गाजीपुर गहमर के निवासी हैं। सम्बंधित प्राथमिकी में सपा विधायक बेग को नामजद किया गया है जबकि उनके 40/50 समर्थकों के खिलाफ अज्ञात का मुकदमा दर्ज कराया गया है। भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग घरेलू नाबालिक सहायिका की आत्महत्या के मामले में गुरुवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में आत्मसमर्पण किया था। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भी दिया गया था। विधायक पर इस मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। लिहाजा पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती थी। लेकिन विधायक अपने अधिवक्ता के साथ न्यायालय परिसर में पहुंचे थे। इस दौरान सपा विधायक और गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत पुलिस कर्मियों के बीच खूब धक्का-मुक्की हुई थी। पुलिस कर्मियों की अभद्रता पर पर वरिष्ठ अधिवक्ता तेज बहादुर यादव ने सवाल भी उठाया था।

हमारे सहयोग के बिना हरियाणा में नहीं बनेगी किसी की सरकार : केजरीवाल

यमुनानगर (हिंस)। जगाधरी पहुंचे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जगाधरी में आआपा प्रत्याशी आदर्श पाल के समर्थन में रोड शो कर वोट मांगे। जगाधरी के विभिन्न इलाकों में से रोड शो में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। यह रोड़ शो जगाधरी के विभिन्न इलाकों में निकाला गया। शुक्रवार शाम जगाधरी पहुंचे केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मैं मंदिर या गुरुद्वारा नहीं जा सकता, क्योंकि चुनाव घोषित हो चुका है। उन्होंने बाहर से ही माथा टेका। केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा की जनता बदलाव चाहती है। हरियाणा की जनता इन लोगों को गांव और गलियों में घुसने नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जो भी सरकार बनेगी हमारी पार्टी के सहयोग के बिना नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि जेल में मुझे तोड़ने की बहुत कोशिश की गई, आम कैदियों वाली सुविधाएं भी मुझे नहीं दी गई। मेरी दवाइयां कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमारी पार्टी की सरकार को तोड़ने के लिए और विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई। लेकिन मेरा कोई भी विधायक तो दूर एक कार्यकर्ता नहीं टूटा। वहीं पंजाब में भी सरकार को अस्थिर कोशिश करने की कोशिश की गई। लेकिन उसमें भी इन लोगों को सफलता नहीं मिली। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह इस सरकार को उखाड़ फेंके, क्योंकि इसने आपके बेटे अरविंद केजरीवाल को जेल में रख, यातनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पूरा हरियाणा बदलाव चाहता है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, जगाधरी प्रत्याशी आदर्श पाल सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाहपुरा में गणेश पांडाल विवाद-सर्व हिंदू समाज का प्रदर्शन

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा में गणेश पांडाल में जानवर के अवशिष्ट मिलने के मामले को लेकर गुरुवार को सर्व हिंदू समाज ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस मामले में विरोध जताते हुए सर्व हिंदू समाज ने जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें दो दिन के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई है। इस घटना ने शाहपुरा में सांप्रदायिक तनाव का माहौल पैदा कर दिया है, और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन ने मामले का गलत तरीके से पटाक्षेप कर दिया है, जिससे हिंदू समाज में असंतोष फैल गया है। गुरुवार को आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में हिंदू संगठन और स्थानीय लोग शामिल हुए। उम्मेदसागर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक निकाली गई रैली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के जिला अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणावत, नगर परिषद शाहपुरा के सभापति रघुनंदन सोनी, भाजपा नगर अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा, बजरंग दल के विभाग संयोजक धनराज वैष्णव, विहिप जिला संपर्क प्रमुख विनोद सनाठ्य और पूर्व पालिका अध्यक्ष कन्हैयालाल धाकड़ सहित अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर कार्यालय

के समक्ष जमकर नारेबाजी की और प्रशासन पर आरोप लगाया कि बिना व्यापक जांच के मामले का निपटारा किया जा रहा है। उनका कहना है कि इस घटना के असली दोषियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, जिससे समाज में असंतोष बढ़ रहा है। प्रदर्शन के उपरांत सर्व हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और उन्हें मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दो दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा गया कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे और भी बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं करता, तो क्षेत्र में शांति और सौहार्द्र बिगड़ सकता है। प्रदर्शनकारियों ने यह आरोप भी लगाया कि पुलिस और प्रशासन ने इस गंभीर मुद्दे को हल्के में लिया है और बिना पर्याप्त जांच के मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे पर विहिप के जिला अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणावत ने कहा, यह सिर्फ एक कानून और व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का सवाल है। प्रशासन को चाहिए कि वह इसे गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे। प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने सर्व हिंदू समाज के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि मामले की पूरी जांच की जाएगी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश कांवट भी इस दौरान मौजूद थे। एसपी ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की है, लेकिन फिर भी मामले की पुनः जांच की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की शंका न रहे।

एनआईए ने मोगा में ट्रक चालक के घर छापा मारकर की पूछताछ

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने शुक्रवार सुबह पंजाब के मोगा में छापा मारा और करीब तीन घंटे तक सर्च की। एनआईए की टीम मोगा के गांव बिलासपुर में कुलवंत सिंह (42) के घर पहुंची। आरोप है कि वह सोशल मीडिया में खालिस्तानी सोच से जुड़ी पोस्ट डालता है। एनआईए की टीम ने कुलवंत व उसके परिवार वालों से पूछताछ की। कुलवंत सिंह से जुड़ी सारी चीजों की पड़ताल की। इस दौरान लोकल पुलिस भी यहां मौजूद रही। कुलवंत सिंह पेशे से ड्राइवर है। वह रामपुरा की एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता है।

आरएएस अधिकारी प्रियंका विश्नोई की मौत के मामले में रिपोर्ट पेश

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और जोधपुर की असिस्टेंट कलेक्टर (एसीएम) प्रियंका विश्नोई की मौत के मामले की रिपोर्ट शुक्रवार को सौंप दी गई है। हालांकि इस रिपोर्ट को लेकर कलेक्टर का कहना है कि इसे सावर्जनिक नहीं किया जाएगा। दरअसल 13 दिन चले इलाज के बाद बुधवार देर रात अहमदाबाद के हॉस्पिटल में प्रियंका विश्नोई का निधन हो गया था। पांच सितंबर को जोधपुर के वसुंधरा हॉस्पिटल में बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया था, लेकिन उनकी हालत बिगड़ गई थी। परिवार वाले उन्हें सिम्स (अहमदाबाद) ले गए थे। परिवार ने वसंधुरा हॉस्पिटल के डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। इधर, गुरुवार को जब उनका पार्थिव शरीर जोधपुर पहुंचा तो समाज और परिजन हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग पर अड़ गए। समाज के लोगों का कहना था कि कमेटी बनने के बाद भी जांच रिपोर्ट नहीं आई। करीब साढ़े चार घंटे के विरोध प्रदर्शन के बाद वे माने और गुरुवार शाम को ही फलोदी के सुरपुरा गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया था। इस मामले को लेकर परिजन लगातार वसुंधरा हॉस्पिटल मैनेजमेंट पर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगा रहे थे। परिवार का आरोप है कि अस्पताल में इलाज में लापरवाही बरती और उन्हें एनेस्थीसिया(बेहोशी की दवा) ज्यादा दे दिया या खून ज्यादा बह गया। चार दिन पहले इस मामले को लेकर कलेक्टर गौरव अग्रवाल की ओर से एसएन मेडिकल कॉलेज के एक्सपर्ट की टीम बनाकर, मामले की जांच के आदेश दिए थे। इस टीम में गायनी विभाग से डॉ. रंजना देसाई, मेडिसिन से डॉ. इंदू थावानी, सर्जरी से डॉ. विजय शर्मा, न्यूरोलॉजी से डॉ. शुभकरण खींचड़, एनेस्थीसिया से डॉ. नवीन पालीवाल को शामिल किया गया था।

एनआईए ने मनोरमा देवी के घर से चार करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद की

पटना/गया (हिंस)। एनआई की टीम ने बिहार में जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर चार करोड़ तीन लाख रुपए की नकदी बरामद की है। एजेंसी ने गुरुवार सुबह 6 बजे उनकी घर पर छापा मारा था। यह कार्रवाई लगभग 20 घंटे तक चली। एनआईए की विज्ञप्ति में कहा गया है कि घर से चार करोड़ तीन लाख रुपए बरामद हुए हैं। इसके अलावा विभिन्न बोर के 10 हथियार भी मिले हैं। विज्ञप्ति में कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल दस्तावेज बरामद होने की भी जानकारी दी गई। एनआईए ने बताया गया कि

अगस्त, 2023 में औरंगाबाद जिले से दो नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई थी। उनसे मिले इनपुट के आधार पर उस समय छह लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। तब से तहकीकात चल रही थी। इसी क्रम में मनोरमा देवी के गया स्थित तीन ठिकानों पर छापा मारा गया। शहर के एपी कॉलोनी स्थित उनके आवासे से यह सब बरामदगी हुई है। इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। छापा खत्म होने के बाद मनोरमा देवी मीडिया के सामने आईं। उन्होंने बताया कि अचानक सुबह 6 बजे एनआईए की टीम पहुंची और तलाशी लेने लगी। हमने पूरा सहयोग किया। जो रकम बरामद हुई है, वह बैंक लोन की है। उसका पूरा हिसाब किताब है। डिटेल हमारे चार्टर्ड अकाउंटेंट देंगे। हथियार हमारे गार्डों के हैं। उनके दस्तावेज हमारे पास हैं।

नारी अब अबला नहीं रही, उसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं

गोरखपुर (हिंस)। 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी अंशिका वर्मा को पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में एसएसपी के नेतृत्व में राजपत्रित अधिकारियों ने विदाई दी। आईपीएस अंशिका वर्मा ने 18 दिसंबर 2023 को गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने कोतवाली सर्किल का क्षेत्राधिकारी बनाया था लेकिन एक महीने बाद ही मानुष पारिक को बरेली जनपद का एसपी दक्षिणी बना दिया गया। तत्पश्चात अंशिका वर्मा को क्षेत्राधिकारी कैंट सर्किल का सीओ 4 फरवरी 2024 को बना दिया गया था। मंगलवार को शासन द्वारा इनके कार्यों को देखते हुए पदोन्नति समयावधि से पहले करते हुए एसपी दक्षिणी बरेली बना दिया। बरेली जाने से पहले पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में राजपत्रित अधिकारियों ने भव्य विदाई समारोह आयोजन किया। एसएसपी ने कहा कि आईपीएस अंशिका वर्मा महिलाओं के लिए एक मिसाल है। नारी अब अबला नहीं रही, उसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं। इन वाक्यों को असल जिंदगी में सच कर दिखाने वाली भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी अंशिका वर्मा साहस की मूर्ति बनकर बदमाशों के छक्के छुड़ाने वाली फर्जी स्टांप व मनी म्यूल जैसे बड़े मामले का पर्दाफाश कर जालसाजों को जेल पहुंचाने के साथ ही वह अपनी बहादुरी और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा चुकी है। तीन बहनों में सबसे छोटी 2021 बैच की आइपीएस अधिकारी अंशिका वर्मा प्रयागराज की रहने वाली हैं।

शफाअत हुसैन ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों पर बोला हमला

बरेली (हिंस)। उत्तर प्रदेश वक्फ विकास निगम के निदेशक शफाअत हुसैन ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों को रजिस्टर्ड भूमाफिया और कौम के दलाल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी, तौकीर रजा, देवबंदी और बरेलवी ये वो लोग हैं जिन्होंने कौम के नाम पर दलाली की है और जमीन कब्जाए हैं। शफाअत हुसैन ने शुक्रवार को बरेली सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, वक्फ संशोधन विधेयक पास होकर रहेगा। इसको कोई माई का लाल नहीं रोक सकता है। दरअसल केंद्र की मोदी सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लेकर आयी है, जिसका मुस्लिम समाज के लोग विरोध कर रहे हैं। भाजपा अपने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेताओं के जरिए मुस्लिम समाज के लोगों को जागरूक करने में जुटी है। शफाअत हुसैन ने कहा कि जो लोग विधेयक का विरोध कर रहे हैं उन्होंने कभी भी दबे कुचले मुस्लिम समाज के लिए कोई काम नहीं किया बल्कि वक्फ की भूमि पर कब्जे किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने 5 लाख मुस्लिमों को भाजपा की सदस्यता दिलाने का लक्ष्य रखा है जिसको हम बड़ी आसानी से पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बिना भेदभाव सभी योजनाओं का लाभ सभी जाति धर्म से जुड़े लोगों को दिया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक को आगे के विचार के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा है।

बिहार में संभावित बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री ने किया हवाई सर्वे, अधिकारियों को दिए निर्देश

पटना (हिंस)। पड़ोसी देश नेपाल से छोड़े गए बारिश के पानी से राजधानी सहित बिहार के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति है। राज्य की सभी नदियां उफान पर हैं और निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। ऐसे में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हवाई सर्वे के लिए निकले। उन्होंने राज्य के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे कर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के साथ कई वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। नेपाल से छोड़ से बारिश के पानी से गंगा नदी उफान पर है। द राजधानी पटना समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं और कई गांवों में नदी का पानी घुसने के बाद

हाहाकार मच गया है। राज्य में कई जगहों पर गंगा का पानी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। पटना में दीघा घाट, गांधी घाट और हाथीदह में गंगा लाल निशान से ऊपर बह रही है। राजधानी पटना में गंगा के किनारे निचले इलाकों में नदी का पानी फैल रहा है। पटना के साथ राज्य के अन्य जिलों में हालात बेकाबू हो रहे हैं। मुंगेर में भी गंगा अपने रौद्र रूप में आ गई है। यहां जिला प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। छपरा में भी बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। बिहार और यूपी को जोड़ने वाले जयप्रभा सेतू का एप्रोच पथ पानी में बह गया है। राज्य में छोटी-छोटी नदियों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। संभावित बाढ़ को देखते हुए सरकार ने अधिकारियों को चौबीस घंटे हालात पर नजर बनाए रखने को कहा है। अधिकारियों को आने वाली हर समस्या से निपटने को तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।

सोशल मीडिया पर गंदे पानी से आलू धोने का वीडियो हुआ वायरल तो जागा अलवर खाद्य विभाग, तीन ढाबों पर कार्रवाई

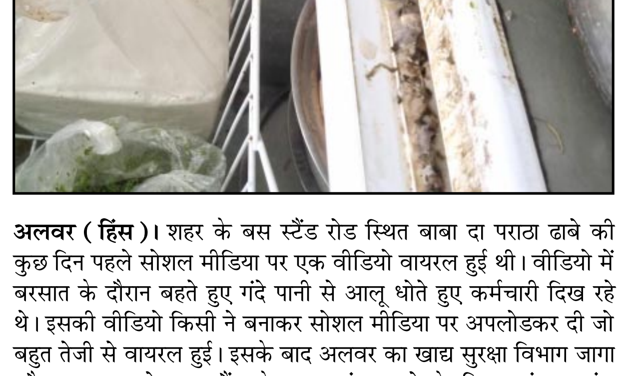

अलवर (हिंस)। शहर के बस स्टैंड रोड स्थित बाबा दा पराठा ढाबे की कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई थी। वीडियो में बरसात के दौरान बहते हुए गंदे पानी से आलू धोते हुए कर्मचारी दिख रहे थे। इसकी वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोडकर दी जो बहुत तेजी से वायरल हुई। इसके बाद अलवर का खाद्य सुरक्षा विभाग जागा और शुक्रवार को बस स्टैंड के पास जांच करने के लिए पहुंचा। जांच अधिकारी केशव गोयल ने बताया कि बाबा दा पराठा का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद हम आज जांच करने पहुंचे हैं। जांच के दौरान ढाबे पर ढेर सारी गंदगी मिली है। फ्रिज के अंदर दो-चार इंची फफूंद जमी हुई थी। पानी को ढककर नहीं रखा गया। खाद्य सामग्री भी खुले में रखी हुई थी। यहां से दही और पनीर का सैंपल लिया गया है। ढाबे पर काम करने वाले कर्मचारियों का हेल्थ सर्टिफिकेट भी नहीं मिला। ऐसे में 15 दिन का इंप्रूवमेंट नोटिस दिया गया है। अगर फिर भी सुधार नहीं होता तो विभाग द्वारा लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा हनुमान ढाबा पर टीम पहुंची तो पन्नी में करीब 22 किलो फफूंद लगी गोभी मिली। जिसे नष्ट कराया गया। यहां से टीम ने पनीर का सैंपल लिया। साथ ही सफाई रखने के निर्देश दिए। अग्रवाल ढाबे पर भी टीम जांच करने के लिए पहुंची। यहां सफाई मिली लेकिन फूड लाइसेंस लगाया हुआ नहीं था उसे लगाने के लिए पाबंद किया गया। अधिकारियों ने ढाबे संचालकों को साफ सफाई के रखने के निर्देश दिए हैं।

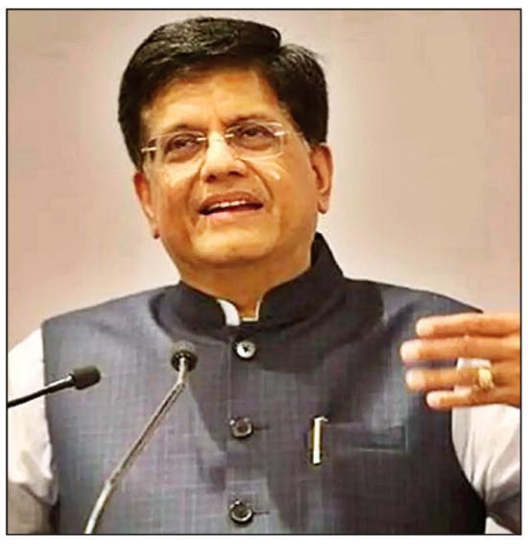

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों (एईएम-भारत) और 12वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठकों (ईएएस ईएमएम) में भाग लेंगे। वाणिज्य मंत्री इन दोनों बैठकों में शामिल होने के लिए 20-21 सितंबर 2024 को वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओस) का दौरा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि एईएम-भारत की बैठक में मंत्रीगण आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए वार्ता में प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान पीयूष गोयल दो संस्थागत बैठकों के दौरान भाग लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री मेजबान देश लाओ पीडीआर के मंत्री और कोरिया, मलेशिया, स्विट्जरलैंड और म्यांमार के दौरे पर आए

वाणिज्य मंत्री वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक का करेंगे दौरा

मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। गोयल आसियान महासचिव और एशिया और प्रशांत के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान ईआरआईए के अध्यक्ष से भी मिलेंगे। इसके साथ ही वाणिज्य मंत्री लाओ पीडीआर में भारतीय प्रवासियों के साथ भी बातचीत करेंगे और भारत के साथ-साथ आसियान के एक उद्योग प्रतिनिधिमंडल से भी मिलेंगे। मंत्रालय के मुताबिक आसियान की अपने संवाद भागीदारों के साथ ये सालाना बैठकें इस वर्ष लाओ पीडीआर के द्वारा आयोजित की जा रही हैं, जो वर्ष 2024 के लिए आसियान का अध्यक्ष है। ईएएस-ईएमएम में 10 आसियान देशों और 8 अन्य ईएएस भागीदारों में भारत, अमेरिका, रूस, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के आर्थिक मामलों के मंत्री भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत 1992 में आसियान में शामिल हुआ और 2022 में इसका व्यापक रणनीतिक साझेदार बन गया। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में है, जिसकी घोषणा 2014 में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। आसियान भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों में से एक है। पिछले दो लगातार वर्षों से आसियान भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

एक्सिस बैंक बन सकता है सबसे बड़ा यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने के मामले में एक्सिस बैंक देश के सबसे बड़े यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर यस बैंक को पछाड़ने की स्थिति में आ गया है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के महीने में ही एक्सिस बैंक इस मामले में यस बैंक वह पीछे छोड़ते हुए आगे निकल जाएगा। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार यस बैंक ने अगस्त 2024 में पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर बैंक के रूप में कुल 5.14 अरब ट्रांजैक्शन किया, जबकि इसी अवधि में एक्सिस बैंक ने 5.13 अरब ट्रांजैक्शन किया। हालांकि दोनों बैंकों के बीच का ट्रांजैक्शन गैप पिछले साल अगस्त के महीने में 1.50 अरब का था। यानी 1 साल की अवधि में ट्रांजैक्शन गैप में काफी कमी आ गई है। यूपीआई पेमेंट सर्विस के लिए यस बैंक और देश के सबसे बड़े यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर फोन-पे के बीच सर्विस पार्टनरशिप है। इसी सर्विस पार्टनरशिप की वजह से यस बैंक यूपीआई पेमेंट सर्विस के मामले में अभी तक सबसे बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बना हुआ था। लेकिन यस बैंक में पिछले दिनों संकट होने पर फोन पे के ट्रांजेक्शन में भी अड़चन आने लगी थी। ऐसी स्थिति में एनपीसीआई में सभी यूपीआई एप्स को किसी खास बैंक पर अपने निर्भरता कम करने और कस्टमर के लिए मल्टीपल वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस (एमवीपीए) बनाने का निर्देश दिया था। ऐसा होने पर फोन-पे ने किसी भी संकट की स्थिति को टालने के लिए नई रणनीति बनाते हुए एक्सिस बैंक के साथ भी सर्विस पार्टनरशिप कर ली। बताया जा रहा है कि एक्सिस बैंक ने फोन-पे को यस बैंक की तुलना में ज्यादा पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर फीस देने की बात भी मंजूर कर ली है। ऐसी स्थिति में फोन-पे नए कस्टमर्स को एक्सिस बैंक के गेटवे के साथ जोड़ रहा है। इसके साथ ही धीरे-धीरे वो यस बैंक के मौजूदा कस्टमर को भी एक्सिस बैंक के प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहा है। एक्सिस बैंक के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि एक्सिस बैंक एक साथ कई यूपीआई एप्स के साथ काम कर रहा है।

फिजिक्सवाला ने वित्त पोषण चक्र में जुटाए 21 करोड़ डॉलर

PHYSICS WALLAH

नई दिल्ली। शिक्षण प्रौद्योगिकी फिजिक्सवाला ने हॉर्नबिल कैपिटल की अगुवाई में वित्त पोषण चक्र में 21 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसका मूल्यांकन 2.5 गुना बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि मौजूदा निवेशकों जीएसवी और वेस्टब्रिज के साथ लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने भी इस वित्त पोषण चक्र में हिस्सा लिया। बयान के अनुसार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड (पीडब्ल्यू) ने अपने सीरीज बी वित्त पोषण चक्र को पूरा कर लिया है, जिसमें 21 करोड़ डॉलर जुटाए गए हैं। इस निवेश से कंपनी का मूल्यांकन 2.8 अरब डॉलर हो गया है, जो इसके पिछले मूल्यांकन 1.1 अरब डॉलर से 2.5 गुना अधिक है।

आईफोन-16 की बिक्री शुरू, दिल्ली और मुंबई के स्टोर पर लोगों की लंबी लाइन

नई दिल्ली। भारत में आईफोन-16 सीरीज के मोबाइल फोन की बिक्री होने लगी गई। एप्पल के नई दिल्ली और मुंबई दोनों के आधिकारिक स्टोर सुबह 8 बजे खुल गए। आईफोन-16 खरीदने के लिए लोग नई दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी वॉक में लंबी कतार में खड़े दिखे। एप्पल के स्टोर 11 बजे सुबह खुलते हैं। लेकिन, एप्पल के नए फोन खरीदने के लिए दोनों स्टोर के बाहर लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। कंपनी ने 9 सितंबर को अपने इस साल के सबसे बड़े इवेंट इट्स ग्लोटाइम में एआई फीचर्स के साथ आईफोन-16 सीरीज लॉन्च किया था। इसमें आईफोन-16, आईफोन-16 प्लस, आईफोन-16 प्रो और आईफोन-16 प्रो मैक्स शामिल हैं। एप्पल ने 13 सितंबर को इनकी बुकिंग की शुरुआत कर चुकी की है। इसके कस्टमर्स फोन को ऑफिशियल वेबसाइट और ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट और अमेजन से बुक कर सकते हैं। भारत में आईफोन-16 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये है, जबकि प्रो मैक्स की कीमत 1,44,900 रुपये है। अमेरिका में यही आईफोन-16 मॉडल 799 डॉलर (67,100 रुपये) और प्रो मैक्स 1199 डॉलर (1,00,692 रुपये) में मिल रहा है। हालांकि, आईफोन-16 सीरीज के मॉडल्स भारत में भी असेंबल हो रहे हैं। लेकिन, प्रो मैक्स मॉडल भारत में अमेरिका के मुकाबले करीब 44 हजार रुपये और आईफोन-16 मॉडल करीब 13 हजार महंगा है।

सेंसेक्स 1.63 प्रतिशत और निफ्टी 1.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए

नए शिखर पर घरेलू शेयर बाजार सेंसेक्स 84 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को एक बार फिर जोरदार तेजी का गवाह बना। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने मजबूती के नए शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत भी ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन पहले घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स पहली बार 84 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 25,800 अंक के स्तर को पार कर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.63 प्रतिशत और निफ्टी 1.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

शुक्रवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। सबसे अधिक तेजी रियल्टी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में देखी गई। इसी तरह एफएमसीजी, मेटल, पावर, टेलीकॉम और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 471.97 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 6.50 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

शुक्रवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,468 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,482 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 109 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,456 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 821 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर बढ़त के साथ और 4 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 43 शेयर हरे निशान में और 7 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 418.24 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 83,603.04 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 415 अंक से ज्यादा टूट कर 83,187.64 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने बाजार में अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक दोपहर 1 बजे के करीब 84,500 अंक के स्तर को पार कर गया। हालांकि, इसके बाद बिकवाली की वजह से इस सूचकांक में एक बार फिर बड़ी गिरावट आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बाजार में दोबारा लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक में एक बार फिर तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,509.66 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 84,694.46 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,359.51 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 84,544.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने शुक्रवार को 110.15 अंक उछल कर ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,525.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 100 अंक टूट कर 25,426.60 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद बाजार में खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से दोपहर 1 बजे के बाद ये सूचकांक 25,800 अंक के स्तर को पार कर गया। हालांकि, इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बना, जिसकी वजह से 10 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक करीब 300 अंक लुढ़क कर 25,500 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद एक बार फिर खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू की और लगातार खरीदारी करके इस सूचकांक को 433.45 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,849.25 अंक के तक पहुंचा दिया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 375.15 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,790.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा 5.48 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 3.60 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 3.50 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.99 प्रतिशत और भारती एयरटेल 2.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 2.22 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 1.04 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 0.31 प्रतिशत, टीसीएस 0.26 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रेपो रेट में फरवरी 2025 से पहले कटौती की उम्मीद नहीं: रिपोर्ट

नई दिल्ली।
एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से नीतगत ब्याज दरों में 50 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी इसी तरह के कदम पर विचार कर सकता है, लेकिन इस साल ऐसा होने के आसार कम हैं।

रिपोर्ट के अनुसार संभावित रूप से फरवरी 2025 तक दर में भारत का केंद्रीय बैंक कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जिसे हम खुदरा महंगाई दर कहते हैं अगस्त 2024 में सालाना आधार पर 3.65 प्रतिशत के करीब पहुंचते हुए पांच साल के निचले स्तर पर आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में आरबीआई की ओर से किसी भी दर कटौती की उम्मीद कम है। अब तक के अनुमानों के अनुसार 2025 की शुरुआत में संभवतः फरवरी में दर

कटौती का फैसला लिया जा सकता है। बीते बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी. श्रीनिवासुलु शेट्टी ने भी साक्षात्कार में ऐसा ही अनुमान जताया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग क्षेत्र के लिए तरलता की चुनौतियां बनी रहेंगी क्योंकि सरकारी नकदी शेष धीरे-धीरे बैंकिंग प्रणाली से बाहर निकल रही है। सितंबर और अक्तूबर में मुद्रास्फीति में अपेक्षित उछाल के बावजूद, आने वाले महीनों में सीपीआई मुद्रास्फीति के 5 प्रतिशत से नीचे या उसके करीब रहने का अनुमान है। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए औसत मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इस तरह, यह आरबीआई के 4-6 प्रतिशत के लक्ष्य सीमा के भीतर रहेगी।

फेड के ब्याज दर कटौती से भारत में विदेशी निवेश पर नहीं होगा असर: आर्थिक सचिव

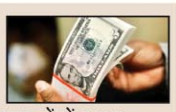

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती का भारत में विदेशी निवेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि फेडरल रिजर्व ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा फैसला किया है। लेकिन आरबीआई भारतीय अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखकर कटौती का फैसला करेगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक का फैसला भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। हमें देखना होगा कि अमेरिकी ब्याज दरों का स्तर कहां है अन्य बाजार कैसा व्यवहार करते हैं। फेडरल रिजर्व ने बुधवार देर रात चार साल बाद ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। सेठ ने कहा कि भारत में ब्याज दर में कटौती पर फैसला आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) उचित समय पर लेगी। एमपीसी का फैसला इस पर आधारित है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए क्या अच्छा है।

एपीडा ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में भारत की विविध कृषि-खाद्य पेशकशों को किया प्रदर्शित

नई दिल्ली।
राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 मेगा इवेंट में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) पैवेलियन में भारत की विविध कृषि-खाद्य पेशकशों को प्रदर्शित किया गया है। यह भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने की एपीडा की एक पहल है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 इवेंट में एपीडा पैवेलियन का उद्घाटन वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, एपीडा के वरिष्ठ अधिकारियों, कई आयातकों और निर्यातकों तथा अन्य हितधारकों की उपस्थिति में किया। एपीडा 19 से 22 सितंबर, तक आयोजित होने वाले आयोजन में ताजा उपज, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, जैविक उत्पाद और मादक पेय सहित विविध खाद्य उत्पादों की पेशकश को प्रदर्शित करने के भारत के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। मंत्रालय में मुताबिक एपीडा के अध्यक्ष

अभिषेक देव ने मध्य पूर्व के बाजारों और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में भारतीय बागवानी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के अध्यक्ष यूसुफ अली एमए के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए और उसका आदान-प्रदान किया। इस साझेदारी का उद्देश्य दुनियाभर में फैले लुलु ग्रुप के हाइपरमार्केट और खुदरा दुकानों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय बागवानी उत्पादों को बढ़ावा देना है, जो वैश्विक स्तर पर भारतीय बागवानी निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में एपीडा की भागीदारी का उद्देश्य भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा देना, नए बाजार खोलना और वैश्विक स्तर पर विविध और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि खाद्य उत्पादों के अग्रणी उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाना है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना व चांदी की कीमत में लगातार तीसरे दिन आई कमी

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 74,590 रुपये से लेकर 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 68,390 रुपये से लेकर 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ, इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरू, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिलाजुला कारोबार

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान चौतरफा खरीदारी होती रही। हालांकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक शानदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। खरीदारी के सपोर्ट से डाउ जॉन्स पहली बार 42 हजार अंक के ऊपर बंद होने में सफल रहा।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.70 प्रतिशत उछल कर 5,713.64 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 440.68 अंक यानी 2.51 प्रतिशत की छलांग लगा कर 18,013.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 343.16 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,368.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,328.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 170.51 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,615.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 290.89 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,002.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,615.97 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत फिसल कर 2,729.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 119.59 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,785.80 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,557.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 132.36 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,175.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 702.70 अंक यानी 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,858.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 261.58 अंक यानी 1.43 प्रतिशत उछल कर 18,275.14 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,604.14 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,455.97 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

इंडियन सुपर लीग : पंजाब एफसी पर जीत से वापसी की राह पकड़ने की कोशिश करेगी ओडिशा एफसी

नई दिल्ली।

पंजाब एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन का अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी, जब नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उसका सामना ओडिशा एफसी से होगा। दोनों टीमें शुक्रवार रात खेले जाने वाले इस मुकाबले को जीतना चाहेंगी।

पंजाब एफसी ने अपने अभियान की शुरुआत केरला ब्लास्टर्स एफसी पर 2-1 की जीत के साथ की, जबकि ओडिशा एफसी को घरेलू मैदान पर चेन्नइयन एफसी से 2-3 की हार का सामना करना पड़ा। लेकिन पंजाब एफसी को झटका लगा जब स्ट्राइकर लुका माजसेन चोटिल हुए और उन्हें आगामी 6-8 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा। पंजाब एफसी 2023-24 सीजन में ओडिशा एफसी के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले हारी थी।

ओडिशा एफसी आईएसएल में अपने पिछले पांच मैचों में जीती नहीं है, जिसमें पिछले तीन मैचों में लगातार हार भी शामिल है। इस मैच में भी हारने की स्थिति में आईएसएल के इतिहास में उसका घर से बाहर सबसे लंबे समय तक जीत दर्ज न करने का रिकॉर्ड बन जाएगा।

पंजाब एफसी ने ईस्ट बंगाल एफसी पर 4-1 की शानदार जीत के साथ 2023-24 सीजन खत्म किया था और अब उसका लक्ष्य आईएसएल में पहली बार लगातार दो घरेलू जीत दर्ज करना है। वो जीत उसकी लीग में अपनी सबसे बड़ी जीत है।

पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस ने कोच्चि में बेंच से उतरे फॉरवर्ड लुका माजसेन की प्रभावशाली भूमिका की प्रशंसा की, जिसमें बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी उन्होंने एक गोल किया और एक में सहायता दी।

दिलमपेरिस ने कहा, 'लुका इस टीम के कप्तान हैं। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे उनके व्यक्तित्व के बारे में और भी कुछ कहना है। उन्होंने बेंच पर बैठने की शिकायत नहीं की, क्योंकि उन्हें एहसास था कि मैं (मुशागा) बाकेंगा के साथ मैच की शुरुआत कर सकता हूं। वह उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण हैं, जो बेंच पर बैठने पर निराशा या फिर गुस्सा व्यक्त करते हैं।'

ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने माना कि मरीना माचांस के हाथों हार से उबरने के लिए टीम को सुधार करने और अपने प्लेइंग स्टाइल पर बने रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस आईएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कई पहलुओं पर सुधार जरूरी है।

लोबेरा ने कहा, 'हमें सीखने और सुधार करने की जरूरत है, जिसकी शुरुआत मुझे बतौर कोच खुद से करनी होगी। हमें कई बातों का विश्लेषण करने की जरूरत है, लेकिन खिलाड़ियों को अगले मैच पर अपना ध्यान लगाना होगा। अगर हम आईएसएल में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं, तो हमें कई पहलुओं में सुधार करने की जरूरत है।'

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2025: राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच नियुक्त हुए विक्रम राठौर

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज विक्रम राठौर को टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। राठौर ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा, रॉयल्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राहुल के साथ फिर से काम करने का अवसर, और अब युवा क्रिकेटरों के एक प्रतिभाशाली समूह के साथ, बेहद रोमांचक है। मैं टीम के विज़न में योगदान देने और रॉयल्स और भारत के लिए शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को विकसित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो चैंपियनशिप जीतने में मदद कर सकते हैं। भारत के लिए छह टेस्ट खेलने वाले राठौर हाल ही में भारत के बल्लेबाजी कोच थे। उनका अनुबंध जून में बारबाडोस में भारत द्वारा टी20 विश्व कप जीतने के बाद समाप्त हो गया था और वह 2012 में राष्ट्रीय चयनकर्ता भी थे। इस महीने की शुरुआत में, भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को आधिकारिक तौर पर बहु-वर्षीय अनुबंध पर राजस्थान रॉयल्स का नया मुख्य कोच नामित किया गया था। उनकी नियुक्ति इस साल जून में टी20 विश्व कप में भारत को जीत दिलाने के बाद हुई थी। द्रविड़ की आईपीएल में वापसी 2019 के बाद से उनका पहला कार्यकाल है, जब उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का कार्यभार संभाला था। 2021 में, उन्हें भारतीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया और उन्होंने 11 वर्षों में भारत का पहला आईसीसी खिताब हासिल करके अपने तीन साल के कार्यकाल का समापन किया। रॉयल्स आईपीएल 2024 क्वालीफायर 2 में सनराइजर्स हैदराबाद से हार गए थे।

चाइना ओपन 2024 : मालविका क्वार्टर फाइनल में अकाने यामागुची से हारीं

नई दिल्ली। भारत की मालविका बंसोड़ शुक्रवार को चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से 10-21, 16-21 से हार गईं। विश्व में आठवें स्थान पर काबिज जापानी शटलर ने निचली रैंकिंग वाली भारतीय शटलर को केवल 35 मिनट में सीधे गेम शिकस्त दी। यह पूर्व विश्व नंबर 1 यामागुची के खिलाफ मालविका की लगातार तीसरी हार थी। नागपुर की शटलर शुरुआती गेम में यामागुची के सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर पाईं। यामागुची ने 12-4 से आठ अंकों की बड़ी बढ़त हासिल की और फिर गेम को 21-10 से समाप्त किया। दूसरे गेम में मालविका ने कड़ी चुनौती दी और एक समय वह 15-15 की बराबरी पर थीं, लेकिन यामागुची ने अपना कौशल दिखाते हुए बंसोड़ को पीछे छोड़ दिया। 43वीं रैंकिंग वाली बंसोड़, पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के बाद सुपर 1000 क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला बनीं, जब उन्होंने गुरुवार को क्रिस्टी गिलमोर को 21-17, 19-21, 21-16 से हराया।

भारतीय जमीन पर टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बने हसन महमूद

चेन्नई। युवा तेज गेंदबाज हसन महमूद भारत में टेस्ट मैचों में पांच विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ शुक्रवार को चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। महमूद के 5/83 के प्रभावशाली आंकड़ों की बदौलत बांग्लादेश ने भारत को 376 रनों पर आउट किया।। भारत में बांग्लादेशी गेंदबाज द्वारा किया गया पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में इंदौर में अबू जायद के 4/108 के नाम था। अपने चौथे टेस्ट में, 24 वर्षीय तेज गेंदबाज ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला, उन्होंने पहले दिन रोहित शर्मा (19 गेंदों पर 6), शुभमन गिल (8 गेंदों पर 0), विराट कोहली (6 गेंदों पर 6) और ऋषभ पंत (52 गेंदों पर 39) के महत्वपूर्ण विकेट लिए। दूसरे दिन उन्होंने जसप्रीत बुमराह को आउट करके अपना पांच विकेट पूरा किया। टेस्ट मैचों में महमूद का यह लगातार दूसरा पांच विकेट है। पिछले महीने रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने 43 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

एंटरटेन क्रिकेट टी10 लीग-2024

हरयाणवी हंटर्स का विजय अभियान जारी, पंजाब की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली।

एंटरटेन क्रिकेट टी10 लीग-2024 (ईएसएल) के लीग चरण के अंतिम दिन जबरदस्त प्रदर्शन और नाटकीय मोड़ देखने को मिले और प्लेऑफ के लिए टीमों का निर्धारण हुआ। पंजाब वीर्स और हरयाणवी हंटर्स दोनों ने लीग चरण का समापन शानदार जीत के साथ किया, जिससे प्लेऑफ के लिए रोमांचक मुकाबलों का मंच तैयार हो गया।

पंजाब वीर्स बनाम मुंबई डिसरप्टर्स - अंकित नागर की 117 रनों की पारी ने पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचाया- सातवें दिन के पहले मुकाबले में, पंजाब वीर्स के कप्तान हर्ष बेनीवाल ने टॉस जीतकर मुंबई डिसरप्टर्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पंजाब के ओपनर्स, अर्शद (22 रन 8 गेंदों में) और राहुल बिष्ट (18 रन 7 गेंदों में), ने टीम को तूफानी शुरुआत दी, और केवल 2 ओवर में 44 रन बना दिए। हालांकि, इस मैच का सितारा अंकित नागर बने, जिन्होंने अविस्मरणीय पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों पर नाबाद 117* रन बनाए, जिसमें 18 शानदार छक्के शामिल थे, और इसने पंजाब को 10 ओवरों में 209/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पवन चेची ने भी 12 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया।

जवाब में, मुंबई की पारी पहले ओवर से ही बिखर गई, क्योंकि अंकित नागर और अर्शद ने उनकी शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। दोनों ने 3-3 विकेट लिए और मुंबई की टीम 7 ओवरों में मात्र 65 रन पर ढेर हो गई। केवल समरथ जुरेल (15 रन 8 गेंदों में) और मुदस्सर भट (12 रन 5 गेंदों में) ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पंजाब की 144 रनों की जबरदस्त जीत ने उन्हें प्लेऑफ में आखिरी स्थान दिलाया, जहां वे एलिमिनेटर मुकाबले में फिर से मुंबई से भिड़ेंगे।

कोपा लिबर्टाडोरेस: पेनारोल ने फ्लामेंगो को हराकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो। उरुग्वे के पेनारोल ने ब्राजील के दिग्गज क्लब फ्लामेंगो पर 1-0 की जीत के साथ कोपा लिबर्टाडोरेस के सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर एक कदम बढ़ा दिया। विंगर जेवियर कैबरेरा ने 13वें मिनट में मैक्समिलियानो सिल्वेरा के वन-टच पास को 12-यार्ड वॉली से गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो बाएं पोस्ट से नेट में रिबाउंड हुई। फ्लामेंगो ने गेंद पर कब्ज़ा जमाया और अपने विरोधियों की तुलना में तीन गुना से ज्यादा पास पूरे किए, लेकिन उन्हें बेकार फिनिशिंग की कीमत चुकानी पड़ी। रियो डी जेनेरियो की टीम ने गोल पर 20 शॉट लगाए,

जिनमें से छह को गोलकीपर वाशिंगटन एगुएरे ने बचा लिया। पेनारोल के मैनेजर डिएगो एगुइरे ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक ऐसी टीम के साथ शानदार माहौल बनाया है जो बहुत मेहनत करती है और जीतने की इच्छा रखती है। मैं अपने खिलाड़ियों से इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि वे अपना सब कुछ देते हैं। यह परिणाम उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। क्वार्टरफाइनल मैच का निर्णायक दूसरा चरण गुरुवार को मोंटेवीडियो के एस्टाडियो कैंपियन डेल सिग्लो में खेला जाएगा।

हरयाणवी हंटर्स की अजेय लय बरकरार, लो-स्कोरिंग थ्रिलर में लखनऊ लायंस को मात- लीग चरण के अंतिम मैच में अजेय हरयाणवी हंटर्स, जिन्हें एल्विश यादव लीड कर रहे थे, का सामना दूसरे स्थान पर काबिज लखनऊ लायंस से हुआ। लखनऊ के ओपनर आकाश यादव ने दो छक्कों के साथ तूफानी शुरुआत की, लेकिन हरियाणा के रोहित लाम्बा ने उन्हें जल्दी आउट करके लखनऊ की गति पर रोक लगा दी। हरियाणा के गेंदबाजों, खासकर माही (4-36), कशिश पुंदिर (3-19), और रोहित लाम्बा (2-12), ने लखनऊ की पारी को बिखेर दिया और उन्हें मात्र 5.4 ओवरों में 87 रन पर ऑल आउट कर दिया। हरियाणा की पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब लखनऊ के कप्तान अनुराग द्विवेदी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए हरियाणा को 3 ओवर में 14-4 के स्कोर पर पहुंचा दिया। द्विवेदी ने 3 विकेट लेकर एक भी रन नहीं दिया। हालांकि, रोहित लाम्बा (40 रन 15 गेंदों में) और ललित यादव (18* रन 9 गेंदों में) की मैच-विनिंग साझेदारी ने हरियाणा को 4 विकेट से जीत दिलाई, जिससे हंटर्स ने लीग चरण को अजेय रहते हुए समाप्त किया। इस जीत के साथ, हरयाणवी हंटर्स ने 10 अंकों के साथ तालिका में पहला स्थान सुरक्षित किया। लखनऊ लायंस, हार के बावजूद, 6 अंकों और 4.095 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मुंबई डिसरप्टर्स ने भी 6 अंकों के साथ लीग समाप्त किया, लेकिन -1.275 के कम नेट रन रेट के कारण वे तीसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि पंजाब वीर्स ने 4 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

सरफराज खान ने की जसप्रीत बुमराह की तारीफ, उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक बताया

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान ने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ' गेंदबाजों में से एक कहा।

बुमराह बांग्लादेश के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिसका पहला टेस्ट गुरुवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरु हुआ।

जियो सिनेमा से बात करते हुए सरफराज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में बुमराह के प्रदर्शन को याद किया और बताया कि कैसे इस स्टार तेज गेंदबाज ने विकेट लेकर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

जियो सिनेमा की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में सरफराज के हवाले से कहा गया, 'आपने कुछ महीने पहले ही टी20 विश्व कप फाइनल में उनका जादू देखा था, जब खेल हमारे हाथ से फिसल रहा था और उन्होंने एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच पलट दिया। उन्होंने ऐसा कई बार किया है, जब टीम संघर्ष कर रही होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं।'

37 टेस्ट में बुमराह ने 20.69 की औसत से 159 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/27 रहा है। नौ घरेलू टेस्ट में बुमराह ने 16.36 की औसत से 33 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/45 रहा है।

पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की बात करें तो बांग्लादेश ने चेन्नई टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत का शीर्ष क्रम ध्वस्त हो गया और टीम 34 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (118 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 56) और ऋषभ पंत (52 गेंदों में छह चौकों की मदद से 39) ने चौथे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर भारत को खेल में वापसी दिलाई, हालांकि भारतीय टीम 144 रनों पर 6 विकेट खोकर फिर से मुसीबत में आ गई, लेकिन यहां से अश्विन (नाबाद 102) और जडेजा (117 गेंदों में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 86* रन) ने नाबाद 195 रनों की साझेदारी कर दिन का अंत 339/6 पर किया। शतक बनाने के बाद अश्विन नाबाद हैं। पहले दिन स्टंप्स के समय अश्विन 91.07 की स्ट्राइक रेट से 112 गेंदों पर 102 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम का शुक्रवार को ऐलान कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट चयन समिति ने 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाने वाले विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। यह टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप में श्रीलंकाई टीम की कमान चमारी अथापट्टू संभालेंगी। श्रीलंका की टीम ने हाल ही में चमारी अथापट्टू की अगुआई में ही महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम में बाएं हाथ की अनुभवी स्पिनर इनोका रनवीरा को भी मौका दिया गया है। उनके पास करीब 12 साल का अनुभव है, जिसका फायदा वो इस टूर्नामेंट में उठा सकती हैं।

श्रीलंका की घोषित 15 सदस्यीय टीम- चमारी अथापट्टू (कप्तान), अनुष्का संजीवनी, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षी डी सिल्वा, इनोका रनवीरा, हासिनी परेरा, कविशा दिलहारी, सचिनी निसानसाला, विशमी गुणरत्ने, उदेशिका प्रबोधनी, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी, शशिनी गिम्हानी और अमा कंचना। कौशिनी नुथ्यांगना को ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है।

श्रीलंका इस प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में है और वह अपना अभियान 3 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ शुरू करेगा।

चेन्नई टेस्ट : बांग्लादेश की पहली पारी 149 पर सिमटी, भारत को 227 रन की बढ़त

चेन्नई।

भारतीय तेज गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बांग्लादेश को 149 रनों पर समेट दिया। पहली पारी के आधार पर भारत को 227 रनों की बढ़त मिली है। भारत ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 8 विकेट झटके, बुमराह के नाम 4 विकेट आए।

बांग्लादेश की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही। और केवल 40 रनों के स्कोर पर शादमान इस्लाम (02), जाकिर हसन (03), कप्तान नजमुल हसन शांतो (20), मोमिनुल (00) और मुश्फिकुर रहीम (08) पवेलियन लौट गए।

इसके बाद शाकिब अल हसन और लिटन दास ने छठे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 91 रनों तक पहुंचाया। रवींद्र जडेजा ने इसके बाद पहले लिटन दास और फिर शाकिब को पवेलियन भेज बांग्लादेश को गहरे संकट में डाल दिया। लिटन ने 22 और शाकिब ने 32 रन बनाए। इन दोनों के बाद बांग्लादेश की पारी जल्दी ही 149 रनों पर सिमट गई। मेहदी हसन मिराज 27 रन बनाकर नाबाद रहे। तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 11-11 रनों का योगदान दिया।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। रविंचद्रन अश्विन ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 113 रन बनाए, जबकि रवींद जडेजा ने भी अच्छी पारी खेली और बेहतरीन 86 रन बनाए, वहीं, यशस्वी जयसवाल ने भी अर्धशतक लगाते हुए 56 रन बनाए।

मैच में बांग्लादेश ने तेज गेंदबाजों की मददगागर पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश को इसका फायदा भी मिला, जब हसन महमूद ने कप्तान रोहित शर्मा (06), शुभमन गिल (00) और विराट कोहली (06) को केवल 34 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज कर मेजबान टीम को मुश्किल में डाल दिया।

इसके बाद केएल से पहले 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए पंत ने जयसवाल के साथ भारतीय पारी को संभाला, हालांकि लंच से ठीक पहले शादमान ने उनका कैच छोड़ा, नहीं तो भारत की मुश्किलें और बढ़ सकती थीं। दूसरी ओर जयसवाल सतर्क रहे और खराब गेंद को दूर रखा।

पंत और जयसवाल ने संभलकर खेलते हुए चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी कर भारत की स्थिति संभालने की कोशिश की। हालांकि 96 के कुल स्कोर पर पंत हसन महमूद का चौथा शिकार बने। एक तरफ से संभलकर खेल रहे यशस्वी जयसवाल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद जयसवाल 144 के कुल स्कोर पर नाहिद राना का शिकार बने।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 : कार्तिक, हरभजन, रैना और पठान प्रमुख कप्तानों में शामिल

नई दिल्ली।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का 2024 संस्करण भारत और दुनिया भर के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त क्रिकेटरों के साथ प्रशंसकों को लुभाने के लिए तैयार है। छह टीमों - सदर्न सुपरस्टार्स, अर्बनराइजर्स हैदराबाद, मणिपाल टाइगर्स, गुजरात जायंट्स, इंडिया कैपिटल्स और कोणार्क सूर्यास ओडिशा- के इस टूर्नामेंट में क्रिकेट इतिहास के कुछ सबसे बड़े नाम दिखाई देंगे।

20 सितंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में 25 रोमांचक मैच होंगे और इन अनुभवी खिलाड़ियों के एक बार फिर मैदान पर उतरने से टी20 क्रिकेट में जबरदस्त रोमांच देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में शिखर धवन (गुजरात जायंट्स), दिनेश कार्तिक (साउथर्न सुपरस्टार्स) और सुरेश रैना (अर्बनराइजर्स हैदराबाद) जैसे दिग्गज अपनी टीमों का नेतृत्व करते हुए दिखेंगे।

गुजरात जायंट्स के लिए क्रिस गेल की धमाकेदार बल्लेबाजी, कोणार्क सूर्यास ओडिशा के लिए इरफान पठान का ऑलराउंड कौशल और मणिपाल टाइगर्स के लिए हरभजन सिंह की स्पिन महारत भी रोमांच को और बढ़ा देगी। इयान बेल (इंडिया कैपिटल्स) और केविन ओ%ब्रायन (कोणार्क सूर्यास ओडिशा) के साथ, एलएलसी क्रिकेट के दिग्गजों से रोमांचक एक्शन का वादा करता है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट की टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात जायंट्स- क्रिस गेल, लियाम प्लंकेट, मोर्ने वान विक, लेंडल सिमंस, असोहर अफोहान, जेरोम टेलर, पारस खाडा, सीकुगे प्रसन्ना, कमाउ लेवररॉक, साइब्रांड एनोएलब्रेक्ट, शैनन गेब्रियल, समर क्वाड्री, मोहम्मद कैफ, श्रीसंत, और शिखर धवन (कप्तान)।

कोणार्क सूर्या ओडिशा- इरफान पठान (कप्तान), यूसुफ पठान, केविन ओ'ब्रायन, रॉस टेलर, विनय कुमार, रिचर्ड लेवी, दिलशान मुनावीरा, शाहबाज नदीम, फिदेल एडवर्ड्स, बेन लाफलिन, राजेश बिश्नोई, प्रवीण तांबे, दिवेश पठानिया, केपी अप्पन्ना, अंबाती रायडू और नवीन स्टीवर्ट।

मणिपाल टाइगर्स - हरभजन सिंह (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, थिसारा परेरा, शेल्डन कॉटरेल, डैन क्रिश्चियन, एंजेलो परेरा, मनोज तिवारी, असेला गुणारत्ने, सोलोमन मायर, अनुरीत सिंह, अबू नेचिम, अमित वर्मा, इमरान खान, राहुल शुक्ला, अमितोज सिंह, प्रवीण गुप्ता, और सौरभ तिवारी।

इंडिया कैपिटल्स- एशले नर्स, बेन डंक, ड्वेन स्मिथ, कॉलिन डी ओरांडहोम, नमन ओझा, धवल कुलकर्णी, क्रिस मपोफू, फैज फजल, इकबाल अब्दुल्ला, किर्क एडवर्ड्स, राहुल शर्मा, पंकज सिंह, ज्ञानेश्वर राव, भरत चिपली, परविंदर अवाना। पवन सुयाल, मुरली विजय और इयान बेल (कप्तान)।

सदर्न सुपरस्टार्स - दिनेश कार्तिक (कप्तान), एल्टन चिगुंबुरा, हैमिल्टन मसाकाद्जा, पवन नेगी, जीवन मेंडिस, सुरंगा लकमल, श्रीवत्स गोस्वामी, हामिद हसन, नाथन कूल्टर नाइल, चिराग गांधी, सुबोध भाटी, रॉबिन बिस्ट, जेसल कारी, चतुरंगा डी सिल्वा और मोनू कुमार।

अर्बनराइजर्स हैदराबाद- सुरेश रैना (कप्तान), गुरकीरत सिंह, और पीटर ट्रेगो, समीउल्लाह शिनवारी, जॉर्ज वर्कर, इसुरु उदाना, रिक्की क्लार्क, स्टुअर्ट बिन्नी, जसकरन मल्होत्रा, चैडविक वाल्टन, बिपुल शर्मा, नुवान प्रदीप और योगेश नागर।

गौर करें अपने बच्चे के शब्दों पर, कहीं न हो टंग टाई!

टंग टाई जिसे आम बोलचाल में जुड़ी हुई जीभ या जीभ का मोटा तांतु होना भी कहते हैं। यह मुंह में जन्म के साथ होने वाली विकृति है। ये 5 से 10 प्रतिशत बच्चों में पाई जाती है। वैसे यह समस्या आमतौर पर लड़कों में ज्यादा होती है। ऐसा जीभ की निचली सतह को मुंह के निचले भाग से जोड़ने वाले तांतुनुमा फ्रेनुलम के असामान्य रूप से मोटा, छोटा और कड़ा होने की वजह से होता है। इससे जीभ पूरी तरह गति नहीं करती व कुछ मामलों में पूरी बाहर नहीं आ पाती जिसे एनकाइलोग्लोसिया भी कहते हैं। टंग टाई की समस्या होने पर कुछ अक्षर जैसे र, ट, ड, ल आदि को बोलने में दिक्कत आ सकती है।

ओरल हाइजीन का अभाव

इस अवस्था का दुष्प्रभाव बच्चों में कम या ज्यादा अलग-अलग हो सकता है। कुछ बच्चों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, वहीं इस समस्या के कारण देखने में आया है कि कुछ बच्चों में यह स्थिति बोलने और खाने या निगलने को प्रभावित कर देती है। इसके अलावा कई मामलों में ब्रेस्टफीड करने में दिक्कत आती है। वहीं जीभ की पूरी तरह मूवमेंट न होने से ओरल हाइजीन यानी दांतों व मसूड़ों की ठीक से सफाई नहीं हो पाती।

फ्रेनुलोप्लास्टी से इलाज

यदि इससे किसी तरह की कोई खास समस्या नहीं हो रही है तो विशेष इलाज की जरूरत नहीं होती है। लेकिन यदि बोलने या खाने में दिक्कत हो तो इसे ठीक किया जाता है। छोटे शिशुओं में इस तांतु को काट दिया जाता है। लेकिन उम्र अधिक होने या यह तांतु ज्यादा मोटा होने पर इसे सर्जरी से दुरुस्त किया जाता है।

इंजीनियर्स ने बनाया इकोफ्रॉस्ट...

सौर ऊर्जा पर चलने वाले माइक्रो कोल्ड स्टोरेज इकोफ्रॉस्ट सिस्टम को पुणे स्थित इकोजेन सॉल्यूशंस ने विकसित किया है, जो कृषि उत्पाद की बरबादी को लगभग 25 प्रतिशत तक कम करता है। यह गांवों में रहने वाले छोटे किसानों के लिए मुफीद है। यह एक सच्चाई ही है कि देश के ज्यादातर गांवों के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति अब भी एक सपना ही है। इन गांवों में मेहनतकश किसान संसाधनों के अभाव में अपने उत्पाद को औने-पौने भाव में बेच कर गरीबी और तंगहाली से जूझते रहते हैं और साधन-संपन्न बिचौलिए औरों की मेहनत का सारा लाभ बैठे-बैठे खुद खा जाते हैं। छोटे और कमजोर किसानों की इन्हीं समस्याओं का समाधान करने के लिए आईआईटी खड़गपुर के छात्र रह चुके विवेक पांडे ने अपने दो दोस्तों, देवेंद्र गुप्ता और प्रतीक सिंघल के साथ मिल कर इकोजेन सॉल्यूशंस नाम की कंपनी शुरू की। इस कंपनी का बनाया पहला प्रोडक्ट इकोफ्रॉस्ट, सौर ऊर्जा आधारित माइक्रो कोल्ड स्टोरेज सिस्टम है। 12 लाख से 15 लाख रुपए कीमत वाले इस कोल्ड स्टोरेज की परिचालन लागत शून्य है, क्योंकि यह बिजली या ईंधन से नहीं, सौर ऊर्जा से चलता है। पुणे के आसपास के गांवों में कंपनी ने इकोफ्रॉस्ट कोल्ड स्टोरेज यूनिट किसान सहकारी समितियों के लिए लगाया है। इसमें लगे पहिए इसे पोर्टेबल बनाते हैं, जिससे इसे एक जगह से दूसरी जगह पर आसानी से ले जाया जा सकता है। किसानों के पास उत्पादन के भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं होने की वजह से हम कृषि उत्पाद का लगभग 40 प्रतिशत गंवा देते हैं, लेकिन इकोफ्रॉस्ट से स्थिति सुधरेगी। हाल ही में बिहार के जमुई स्थित केड़िया गांव में इकोजेन ने सौर ऊर्जा आधारित कोल्ड स्टोरेज लगाया। इससे इस गांव के किसानों को अपनी पैदावार के भंडारण का आसान विकल्प मिल गया। इससे उन्हें इन उत्पादों को बाजार में अपनी शर्तों पर बेचने का मौका मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा बढ़ रही है। इसके अलावा, इकोजेन की मदद से किसान अपने पारंपरिक बीजों को संरक्षित कर रहे हैं।

अंगुली बन जाएगी फोन...

महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर उम्र के लोगों को कान में इयरफोन या हेडफोन लगाकर घूमते आपने जरूर देखा होगा, लेकिन शायद कुछ दिन के बाद ऐसे लोग आपको नजर नहीं आने वाले। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक नए स्मार्टवॉच स्ट्रैप के माध्यम से ऐसा होगा। स्मार्टवॉच स्ट्रैप के जरिए आप कान में अपनी अंगुली लगाकर फोन पर बात कर पाने में सक्षम होंगे। एक कोरियाई कंपनी ने एसजीएनएल स्मार्ट स्ट्रैप का विकास किया है, जिसे मौजूदा स्मार्टवाच के साथ जोड़ा जा सकता है। इसके जरिए उपयोगकर्ता अपने अंगुली का इस्तेमाल करके फोन पर बात कर पायेंगे। उपकरण का विकास करने वाली सोल की एक कंपनी इन्नोमडल लैब के अनुसार एसजीएनएल की मदद से अपने फोन को पॉकेट में रखकर आप केवल अंगुली के इस्तेमाल से फोन पर बात कर पायेंगे। इसके लिए किसी भी तरह के अतिरिक्त हेडसेट और इयरफोन की जरुरत नहीं होगी। जब आप अपने कानों पर अपनी अंगुलियां रखते है तो यह ना सिर्फ आप तक आवाज पहुंचाती है बल्कि अनावश्यक शोर को भी आपके कानों में पहुंचने से रोक देती है। ब्लूटुथ के जरिए उपकरण में आवाज संकेत का संचार होता है।

स्मार्ट फोन से निकलने वाले रेडिएशन के कारण सिर दर्द, धुंधला दिखना, सिर में झनझनाहट, लगातर थकान महसूस करना, चक्कर आना डिप्रेशन, नींद न आना, काम में मन न लगना, सुनने में कमी, याददाश्त में कमी, कानों का बजना जैसी कई दिक्कतें हो सकती हैं। सबसे बड़ी दिक्कत तब पैदा होती है जब रात में अंधेरे में स्मार्ट फोन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे अंधापन भी हो सकता है। ऐसे में मोबाइल कंपनियां अब फोन में ऐसी व्यवस्था करने में जुटी हैं जिससे आंखों को नुकसान न हो। इसके लिए कई ऐप भी आ गए हैं।

ऐप्स से करें आंखों का बचाव...

अमेरिकी कंपनी एप्पल ने जब से अपने आईओएस में 'नाइट शिफ्ट मोड' पेश किया तब से लोगों के बीच में यह बात ज्यादा उठने लगी है कि क्या रात में फोन चलाना वाकई में नुकसानदेह है। दरअसल, फोन स्क्रीन से निकलने वाली तेज किरणें अंधेरे में आंखों को काफी अधिक नुकसान पहुंचाती हैं। इसका असर आंखों पर कुछ समय के बाद दिखने भी लगता है। इस समस्या से बचने के लिए एंड्रॉयड फोन यूजर ऐप का प्रयोग कर सकते हैं। एप्पल से सीख लेते हुए अमेजन ने अपने फायर टेबलेट में ब्लू शेड से लैस डिस्प्ले लॉन्च कर दिया है। जबकि एंड्रॉयड की अधिकतर डिस्प्ले में ऐसा कोई सुधार देखने को नहीं मिला है। मगर गूगल प्ले स्टोर पर कई एप्लीकेशन ऐसे हैं जो रात में फोन चलाना आसान बनाते हैं और आंखों को स्क्रीन से निकलने वाली तेज रोशनी से बचाते हैं।

मिडनाइट ऐप

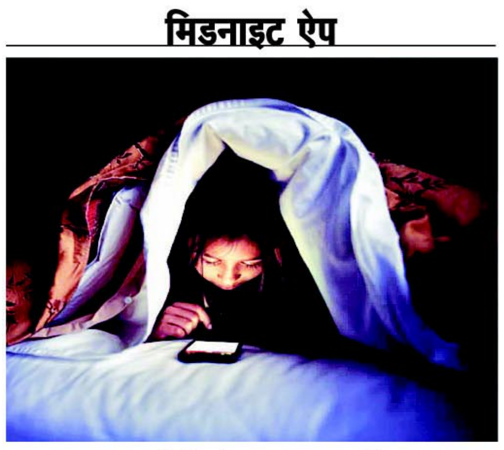

मिडनाइट नाम के ऐप में नाइट फिल्टर जैसे कई विकल्प दिए गए हैं जो काली, पीली, नीली और लाल रोशनी को नियंत्रित करते हैं। इन्हें सेटिंग में जाकर बदल भी सकते हैं और रात के अंधेरे में फोन स्क्रीन से निकलने वाली चटक रोशनी के नकारात्मक असर से खुद को बचा सकते हैं। ऐप में इन बदलवों को प्ले बटन दबाकर देखा जा सकता है। मिडनाइट ऐप में नाइट फिल्टर के एक्टीवेट होने का समय सेट किया जा सकता है। ऐसा करने से यह ऐप खुद ब खुद एक्टीवेट हो जाएगा। यह ऐप लोकेशन फीचर के साथ भी काम करने की क्षमता रखता है। मिसाल के तौर पर जब यूजर की लोकेशन पर सूरज डूब जाएगा और अंधेरा छा जाएगा तो यह नाइट मोड फिल्टर खुद ब खुद एक्टीवेट कर देगा। यूजर की जरूरत के अनुसार इसमें कई सेटिंग के विकल्प दिए हैं जबकि यूजर खुद भी सेटिंग में बदलाव कर उन्हें नए नाम दे सकते हैं।

डिमली-स्क्रीन डिमर ऐप

गूगल प्ले स्टोर से डिमली- स्क्रीन डिमर एप को डाउनलोड करने के बाद फोन स्क्रीन की ब्राइटनेस को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। इस ऐप की सेटिंग में एक फीचर ऐसा भी जो ब्राइटनेट को सबसे कम स्तर पर ले जाता है जिसे फोन की सेटिंग से करना असंभव है। डिमली-स्क्रीन डिमर ऐप में ब्लू लाइट फिल्टर को एक्टीवेट करने के लिए उसके ऑन विकल्प को एक्टीवेट करना होता है। दिन के उजाले में उसे ऑफ रहने दें। रात के समय फोन देखने या फिर गेम खेलने वाले यूजरों के लिए इसमें कुछ खास फीचर दिए गए हैं। इसका एक और खास फीचर यह है कि इसमें कम से कम और ज्यादा से ज्यादा ब्राइटनेस सेट की जा सकती है। डिमली-स्क्रीन डिमर ऐप फोन को हिलाने पर भी काम करता है।

नाइट स्क्रीन एप

गूगल प्ले स्टोर पर नाइट स्क्रीन नाम से उपलब्ध ऐप को चलाना बहुत ही आसान है। इस ऐप में ब्लू लाइट फिल्टर दिया गया है जो आंखों को स्क्रीन से निकलने वाली किरणों से सुरक्षित रखता है। अगर रात के समय आपके फोन की ब्राइटनेस बहुत तेज है और यूजर को लगता है कि उसे कम करना चाहिए तो वह इस ऐप पर टच कर दे। इसके बाद ब्राइटनेस और ब्लू लाइट को बढ़ाया व घटाया जा सकता है। इसके अलावा इसका पेड वर्जन भी प्रयोग किया जा सकता है। पेड वर्जन में यूजर को और अधिक फीचर इस्तेमाल करने को मिलते हैं।

आईओएस में करें एक्टिवेट

आईओएस 9.3 ऑपरेटिंग सिस्टम से लैस आईफोन चलाने वाले यूजर उसकी सेटिंग को बदलकर डिस्प्ले से निकलने वाली खतरनाक रोशनी को रोक सकते हैं। आईफोन में नाइट शिफ्ट मोड नाम का फीचर दिया गया है। इसे ऑन करने के बाद उसका समय भी तय किया जा सकता है। इसके लिए फोन की सेटिंग में जाएं वहां यूजर को 'डिस्प्ले एंड ब्राइटनेस' का फीचर मिलेगा, उस पर क्लिक कर दें। इसके बाद शेड्यूल को एक्टीवेट कर दें। ऐसा करने से उस विकल्प के सामने दिया गया बटन हरा हो जाएगा। इसके बाद उसके नीचे दिए गए समय को सेट करना होता है।

कैसे सुधारें कनेक्टिविटी...

आजकल मोबाइल का यूज हर कोई करता है। लेकिन दिक्कत तो तब आती है, जब हाथ में फोन होते हुए भी आप कॉल नहीं कर सकते हैं। ऐसा ज्यादातर फोन में वीक सिग्नल या कॉल ड्राप जैसी परेशानियों की वजह से होता है। यह काफी आम समस्या है। अक्सर वीक सिग्नल के कारण आप कई बार मुसीबत में पड़ जाते हैं। लेकिन सोचिए अगर इमरजेंसी के समय ऐसी कोई परेशानी हो जाए तो क्या करेंगे। फोन आस-पास के लोगों से और अपने करीबियों से जोड़े रखने के लिए होता है। लेकिन कभी-कभी वीक सिग्नल जरुरत के समय मुसीबत बन जाता है। ऐसे समय में जब आपको किसी से बात करनी हो या मैसेज देना हो, तो वीक सिग्नल सारा काम बिगाड़ सकते हैं। ऐसे में आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। हम आपको कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं जिनसे आप अपने फोन की वीक सिग्नल प्रॉब्लम से कुछ हद तक निजात पा सकते हैं।

मोबाइल सिग्नल ऐप

स्मार्टफोन पर मोबाइल सिग्नल नाम का ऐप सिग्नल की स्थिति के बारे में बता सकता है। आईफोन पर भी सिग्नल को बहुत आसानी से चेक किया जा सकता है।कभी कभी सिर्फ ऑफ करके ऑन करने पर फोन बेहतर काम करने लगता है। ये परेशानी खासकर स्मार्टफोन में देखी जाती। क्योंकि उसमें कई ऐप भी साथ-साथ काम कर रहे होते हैं। अगर ऊंची बिल्डिंग के आस-पास खड़े हैं तो एक जगह से थोड़ी खुली जगह पर पहुंचते ही सिग्नल बेहतर हो जाता है।

बूस्टर इंस्टाल करें

ज्यादातर लोग अपने घर में कमरे के अन्दर या ऑफिस वीक सिग्नल की प्रॉब्लम को झेलते हैं। ऐसा बिल्डिंग बनने में यूज गई कंक्रीट या तारों के कारण हो सकता है। इस प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए आप उस जगह पर एक बूस्टर को इंस्टॉल कर सकते हैं। बूस्टर को जगह पर लगाएं, जहां सिग्नल थोड़े बेहतर हों। इससे आपके फोन में सिग्नल कुछ और बेहतर होंगे।

तुरंत फोन चार्ज करें

बैटरी बहुत कम हो जाने पर जो भी बैटरी की शक्ति है वो स्मार्टफोन के बैटरी के सिग्नल को काम कराने में सबसे पहले इस्तेमाल होती है। इसलिए कॉल करते समय थोड़ी परेशानी हो सकती है। ऐसी स्थिति में स्मार्टफोन को चार्ज पर तुरंत लगाना चाहिए।

डेटा सर्विस

फोन का सिग्नल अगर बहुत बढ़िया काम नहीं कर रहा है तो कॉलिंग के लिए कभी कभी डेटा सर्विस को व्हाट्सऐप, वाइबर, निम्बज, स्काइप जैसे ऐप का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। अब तो वीडियो कॉल भी एक विकल्प है और वाई फाई जोन में ये आसानी से किया जा सकता है।

वाई-फाई से कनेक्ट करें

अगर किसी वाई-फाई से कनेक्ट कर सकें तो ये कॉल बहुत बढ़िया क्वॉलिटी के साबित होते हैं। उन पर आप आसानी से बात कर सकते हैं। घर पर अगर वाई-फाई कनेक्टिविटी की परेशानी है तो वाई-फाई एक्सटेंडर से सिग्नल को सुधारिए।

इससे बचें

कोई भी मोबाइल फोन रेडियो सिग्नल को पास के मोबाइल टावर से कनेक्ट करता है। कई बार उस टॉवर से बहुत ज्यादा मोबाइल फोन कनेक्टेड होते हैं जिसके कारण कॉल करना मुश्किल हो सकता है। अगर पास में ऊंची और घनी बिल्डिंग हैं या आप बेसमेंट में जाते हैं तो ये रेडियो सिग्नल से कनेक्टिविटी में परेशानी होती है। इससे बचें।

कांच के गिलास में रख दें

कांच का गिलास वीक सिग्नल में बेहतर आप्शन हैं। हो सकता है कि यह सुनकर आपको अजीब लग रहा हो, लेकिन यह सच है। अगर आपके फोन में सिग्नल वीक हों, तो आपको जरुरत है एक कांच के गिलास की। जिसमें आप अपना फोन रख सकें। ऐसा करने से आपके फोन में कम से कम इतने सिग्नल तो आ जाएंगे कि आप फोन कॉल कर सकें।

इंटरनेट की स्पीड कम करें

अगर आपको किसी एरिया में वीक सिग्नल की दिक्कत का सामना करना पड़ता है, तो आप 3जी से 2जी में स्विच कर सकते हैं। ऐसे में भले ही आपके इंटरनेट की स्पीड कम हो जाए लेकिन आपके वीक सिग्नल की प्रॉब्लम जरुर सॉल्व हो जाएगी।

ज्यादा टाइट न पकड़ें

कहा जाता है कि जो लोग फोन को टाइट पकड़ते हैं, उनके फोन में भी सिग्नल कम आते हैं क्योंकि इससे फोन में एक और लेयर जुड़जाती है। इससे फोन में सिग्नल रिसीव करने या भेजने में दिक्कत होती है।

दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड करें

अगर आपको किसी पर्टिकुलर एरिया में सिग्नल की परेशानी होती है, तो बेहतर होगा कि आप सभी कॉल किसी अन्य नंबर पर फॉरवर्ड कर दें, जो उस एरिया में सही काम करता हो। आप कॉल्स को अपने लैंडलाइन नंबर भी फॉरवर्ड कर सकते हैं। इससे कम से कम आप किसी से जरुरी बात तो कर पाएंगे।

विकलांगों की जिंदगी हुई आसान...

ब्राजील के शहर रीयो डी जेनेरो मे ग्रीष्मकालीन ओलंपिक संपन्न हुआ। अब सात सितंबर से शुरू हुआ पैरालंपिक 18 सितंबर को खत्म हो रहा है लेकिन, स्विटजरलैंड के शहर ज्यूरिख में इससे थोड़ा हट कर एक अनूठे किस्म के खेलों के आयोजन की तैयारियां इन दिनों जोरों पर हैं। इसे बायोनिक ओलंपिक कहा जा रहा है। इस साइबेथेलॉन में पूरी दुनिया की प्रॉस्थेटिक तकनीक की बेहतरीन खोजों को भी एक जगह पेश किया जाएगा। अक्टूबर में होने वाले इस खेल में वे लोग भाग ले सकेंगे, जो रोबोटिक अंग, इलेक्ट्रॉनिक बाहों या बिजली से चलने वाले व्हीलचेयर वगैरह का इस्तेमाल करते हैं।

यह है मकसद

बायोनिक ओलंपिक के आयोजकों का मकसद यह साबित करना है कि नई तकनीक की मदद से विकलांग लोगों की जिंदगी किस तरह आसान हो गई है। इसमें ब्रिटेन की छह टीमों समेत दुनिया की 50 टीमें भाग लेंगी। इनमें ब्रेड के टुकड़े काटना, सीढ़ियां चढ़ना, धुले कपड़े सुखाना जैसे खेल होंगे।

प्रॉस्थेटिक बांह का इस्तेमाल

प्रॉस्थेटिक बांह लगाने वाले कुछ लोग भी बायोनिक ओलंपिक का हिस्सा होंगे। लंदन पैरालंपिक की कामयाबी की वजह से विकलांगों का खेल लोगों की नजर में है पर लोगों ने यह नहीं देखा है कि विकलांगता या शारीरिक कमजोरी की वजह से लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी दिक्कतें होती हैं। साइबेथेलॉन पूरी दुनिया की प्रॉस्थेटिक तकनीक की बेहतरीन खोजों को एक जगह पेश करेगा। इससे इन्हें विकसित करने वाली प्रयोगशालाओं और कंपनियों की बीच प्रतिस्पर्धा भी होगी।

दिमाग की तरंगों का इस्तेमाल

29 साल पहले एक हादसे के बाद लकवे का शिकार हुए डेविड रोज ब्रेनस्टॉर्मर टीम की ओर से बायोनिक ओलंपिक मे भाग लेंगे। वे सिर्फ अपने दिमाग की तरंगों से कंप्यूटर खेल को नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे। वे ब्रेन इंटरफेस रेस की तैयारी दो साल से कर रहे हैं। स्विटजरलैंड का विश्वविद्यालय ईटीएच ज्यूरिख इस साइबेथेलॉन का आयोजन कर रहा है। समस्या यह है कि तमाम प्रयोग उन लोगों पर किए गए हैं, जो विकलांग नहीं हैं। डेविड जैसे लोग, जिनके दिमाग ने कई साल से पैर नहीं हिलाया है।

ऐसे आया विचार

ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉबर्ट रीनर के मन में सबसे पहले साइबेथेलॉन का विचार आया। नकली बांह का इस्तेमाल करने वाले अपने एक परिचित से बातचीत के बाद उन्होंने इस पर गंभीरता से सोचना शुरू किया। उस आदमी को सिनेमा के टिकट खरीदने के लिए लाइन में खड़े खड़े अपना पर्स निकालने में दिक्कत होती थी और शर्म भी आती थी। रीनर को महसूस हुआ कि मौजूदा तकनीक पूरी तरह विकसित नहीं है। उन्होंने एक प्रतिस्पर्धा आयोजित करने का मन बनाया ताकि लोगों को प्रयोगशालाओं से बाहर निकल मरीजों के बीच जाकर बेहतर उपाय खोजने की प्रेरणा मिले।

आगे क्या होगा

यदि अक्टूबर में होने वाला आयोजन कामयाब रहा तो एल्सबरी के नजदीक स्टोक मैंडविल अस्पताल में इसके बाद का आयोजन किया जाएगा। यह वही अस्पताल है जिसने पैरालंपिक शुरू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

... तो अब ऑईली स्किन से मिलेगी निजात

क्या आप ऑईली स्किन से परेशान हैं और इससे होने वाली चिपचिपाहट मुंहासों का कारण बन रही है। हालांकि इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए सब आपको चेहरा साफ रखने की हिदायत देंगे पर क्या बाजार में मिलने वाले रासायनिक टोनर आपकी राह को मुश्किल बना रहे हैं? आपकी इस समस्या का समाधान कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर किया जा सकता है।

बर्फीला पानी: ठंडे पानी के छींटे चेहरे पर गिरते ही व्यक्ति दो मिनट में तरोताजा महसूस करता है। अतः थकान से निजात पाने एवं अपने मुरझाए हुए चेहरे को खिलाने का यह एक सरल तरीका है। आप चाहें तो फ्रिज से बर्फ को निकालकर अपने चेहरे पर लगा सकते हैं या इसके बर्फीले पानी से अपना मुंह धो सकते हैं। यह टोनर आपके चेहरे को प्राकृतिक रूप से साफ करेगा।

विनेगर और पुदीने की पत्तियां

विनेगर व पानी को बराबर मात्रा में मिलाएं। फिर रुई की मदद से इसे अपने चेहरे पर लगाएं। यह मिश्रण आपकी त्वचा पर मौजूद चिपचिपाहट को निकाल बाहर करेगा। वहीं गर्म पानी में पुदीने की कुछ पत्तियों को डालें। ध्यान रहे कि बरतन में पानी ज्यादा ना हो वरना पत्तियां पानी में तैरती रहेंगी और ये एक प्रभावित टोनर नहीं बन पाएंगी। अब इस पानी को ठंडा होने दें और एक रुई की सहायता से अपने चेहरे को साफ करें। टमाटर के रस व शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस लेप को अपने चेहरे पर लगाएं और इसे 15 मिनटों के लिए रहने दें। यह घरेलू टोनर चेहरे पर मौजूद तेल से छुटकारा पाने में मदद करेगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**